RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 करिश्मा को अस्पताल से मिल...

वर्ष : 27 अंक : 271 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 19 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

हमें स्वदेशी को अपनाना चाहिए : मुख्यमंत्री

मथुरा में पंडित दीनदयाल स्मृति महोत्सव में हुए शामिल

मथुरा (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पिछले 11 सालों में भारत में बहुत अधिक परिवर्तन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के आर्थिक विकास के लिए हम सभी को स्वदेशी अपनाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मथुरा के फरह स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में प्रतिभाग करने पहुंचे। वे हेलिकॉप्टर से दीनदयाल धाम के हेलिपैड पर उतरे। परिसर में आयोजित विराट युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसी व्यक्ति का जन्मदिन मना रहे हैं जिन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए एक दृष्टि दी और विकसित भारत की जो आधारशिला है वह उनके विचारों पर टिकी है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक तरक्की का पैमाना सबसे नीचे के पायदान पर बैठे व्यक्ति का विकास होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज पं. दीनदयाल उपाध्याय का सपना पूरा हो रहा है। अब अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा। हर हाथ को काम, हर खेत में पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि आज वोकल फॉर लोकल का सपना धरातल पर उतर रहा है। 80 करोड़ भारतीयों का राशन मिल रहा है। भारत अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है साथ ही विकास के साथ विरासत का भी सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत का मॉडल दुनिया के लिए प्रेरणा बन गया है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में श्री भगवान राम का भव्य मंदिर पर कहा कि अयोध्या में भव्य मंदिर बनकर तैयार है। भारत जल्द तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। केन्द्र व राज्य की सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजना बन रही है और महिलाओं, किसानों के लिए सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए दीनदयाल धाम में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंडलायुक्त, डीआईजी, डीएम और एसएसपी ने बृहस्पतिवार को फरह में आयोजन से जुड़े कर्मचारियों को ब्रीफिंग की थी। पंडित दीनदयाल धाम में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित होने वाले स्मृति महोत्सव मेला का बृहस्पतिवार को आगाज हो गया है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

रूस के साथ नए व्यापारिक अवसरों की मिलेगी सौगात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के आयोजन को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज ग्रेटर नोएडा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर इंडिया एक्सपो मार्ट के आसपास भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार भारत का मित्र रूस बिजनेस पार्टनर बना है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस के साथ इस बार नए व्यापारिक अवसरों की सौगात मिलेगी। आपको बता दें कि आगामी 25 सितंबर से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोमार्ट सेंटर में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का तीसरा संस्करण है। इस यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में कई विदेशी देश भी शिरकत करेंगे। साथ ही उत्तर प्रदेश के विकास की झलक भी इस शो में दिखेगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग 2025 का 26 सितंबर को आयोजन होगा। इस बार रूस के साथ नए व्यापारिक अवसरों की सौगात मिलेगी। रूस पार्टनर कंट्री के रूप में शो में सम्मिलित हो रहा है। इस शो के माध्यम से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध भी मजबूत होंगे तथा उत्तर प्रदेश के उद्योग और कारोबारी भी लाभान्वित होंगे।

सीएम दोपहर बाद पहुंचेंगे ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज 1.30 बजे जेबीयू पहुंचेंगे। सीएम योगी जेबीयू से एक्सपो मार्ट पहुंचेंगे। सीएम योगी के दौरे को देखते हुए एक्सपो मार्ट के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री ट्रेड शो की तैयारियों का जायजा भी लेंगे। साथ ही सीएम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री गाजियाबाद के लिए रवाना हो जाएंगे।

सेक्टर-11 के निवासियों ने खोली हाईटेक पुलिस की पोल

लोगों ने दो झपटमारों को दबोचा, 7 मोबाइल किए बरामद

- बदमाशों के हमले में दो घायल, चौकी प्रभारी की निष्क्रियता पर आक्रोश

नोएडा (चेतना मंच)। आज सेक्टर-11 के निवासियों ने नोएडा की हाईटेक पुलिसिंग की कलई खोल दी। सेक्टर-11 तथा सेक्टर-12 में काफी दिनों से सक्रिय जिन झपटमारों को पुलिस आज तक नहीं पकड़ पाई। उन्हें सेक्टर के लोगों ने झपटमारी करते न सिर्फ दबोचा बल्कि उनके कब्जे से झपटे हुए 7 मोबाइल फोन भी बरामद कर लिये। इस दौरान बदमाशों के हमले में चौकीदार समेत दो लोग घायल हो गए।

सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने बताया कि आज सुबह करीब 7 बजे पारस सक्सेना तथा उनकी पत्नी प्रियंका सक्सेना अपने बच्चे को स्कूल बस तक छोड़ने के लिए एल ब्लॉक पर खड़े थे। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने प्रियंका के गले से सोने की चेन झपटने का प्रयास किया। खींचतान में बदमाशों की बाइक गिर गई तथा पारस सक्सेना व (शेष पृष्ठ-4 पर)

कार निकालने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के तहत सेक्टर-71 के शिव शक्ति एपार्टमेंट में कार निकालने को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। विवाद के बढ़ने पर दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में प्रदीप पुत्र सुरेश चंद, योगेन्द्र पुत्र रामफूल तथा विपुल पुत्र जीतेन्द्र सिंह को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस झगड़े में महिलाओं समेत कुछ लोगों को चोटें लगी हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले ईनामी बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली में स्थित घर के बाहर लगातार दो दिन तक फायरिंग की घटना में दो शूटरों को मुठभेड़ में ढेर करने के बाद पुलिस ने दो शूटरों को पकड़ लिया है। पुलिस के अनुसार ये शूटर 11 सितंबर को ब्लैक कलर की स्प्लेंडर बाइक से फायरिंग करने पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इन्हें पकड़ लिया है। इसी के साथ हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि एक्ट्रेस के घर के बाहर हुई फायरिंग में कुल चार शूटर शामिल थे, जिनमें दो एनकाउंटर में ढेर हो गए थे। अब दो अन्य को भी पकड़ लिया गया है। इस फायरिंग मामले की जब पुलिस ने जांच की तो पता चला कि इसकी पूरी साजिश विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने रची थी। पकड़े गए दोनों शूटरों पर यूपी पुलिस ने 1-1 लाख रूपये का ईनाम घोषित किया था। दोनों का जल्द ही वारंट पर बरेली लेकर जाया जाएगा।

लिविंग पार्टनर का गला काटने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने शादी का दबाव देने पर अपनी लिविंग पार्टनर की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायालय ने उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

थाना फेस-1 पुलिस ने बताया कि 1 सितंबर को सुबह के समय थाना फेस- वन क्षेत्र के अमिताभ बच्चन पार्क में अज्ञात महिला का शव मिला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह बात सामने आई की महिला की गला रेतकर हत्या की गई है। महिला की शिनाख्त कराने के लिए पुलिस प्रयास कर रही थी। महिला के पिता परमेश्वर शाह ने उसकी शिनाख्त अपनी पुत्री ममता के रूप में की। उन्होंने बताया कि परमेश्वर शाह द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस मामले में हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज किया था।

मामले की जांच कर रही पुलिस ने इस घटना को अंजाम देने वाले हरखू राम उर्फ दीपक को गिरफ्तार किया है। इसके पास से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान हरखू ने पुलिस को बताया कि वह मूल रूप से जनपद मधुबनी बिहार के रहने वाली थी। मृतका भी वही की रहने वाली है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सीईओ से कल वार्ता करेंगे किसान नेता राकेश टिकैत

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 20 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम से मुलाकात करेगा। यह जानकारी भाकियू के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने दी।

श्री भाटी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने किसानों को नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के साथ वार्ता के लिए आमंत्रित किया। किसानो की सर्वसम्मति से सेक्टर-6 नोएडा विकास (शेष पृष्ठ-4 पर)

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत के चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एकबार फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग का नाम लिए बिना कहा कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा। उनकी यह टिप्पणी वोट चोरी के मुद्दे पर अपने हमले को तेज करने के एक दिन बाद आई है। जिसमें उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'लोकतंत्र को नष्ट करने वालों' को रक्षा करने का आरोप लगाया था।

राहुल गांधीने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर एक बार फिरचुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने लिखा है कि सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ-ऐसे भी हुई वोट चोरी! 'चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।

झुंडपुरा की तनीषा बनीं सेंटर काउंसलर

गांव में हुआ भव्य स्वागत, समाज में खुशी की लहर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-11 स्थित गांव झुंडपुरा निवासी ज्ञानेंद्र तंवर की बेटी तनीषा तंवर ने दिल्ली के विवेक विहार स्थित विवेकानंद कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की ओर से सेंटर काउंसलर के पद पर विजय प्राप्त कर अपने परिवार, गांव, क्षेत्र और संगठन का नाम रोशन किया है। तनीषा के सेंटर काउंसलर बनने पर झुंडपुरा गांव ने उनका भव्य स्वागत किया गया। चुनाव में गुर्जर समाज (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रेरणादायक है पीएम पर बनी फिल्म 'चलो जीते हैं' : डिम्पल

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर जिला महामंत्री श्रीमती डिंपल आनंद के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा अभियान के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बचपन पर बनी लघु फिल्म 'चलो जीते हैं' डीएलएफ मॉल के थियेटर में दिखाई गई।

इस मौके पर चंदगी राम, जिला महामंत्री, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा श्रीमती प्रज्ञा ठाकुर, प्रदीप, पं दीनदयाल उपाध्याय मंडल महामंत्री अनिल पेशावरिया, महामंत्री पी.सी. पंचोली, श्रीमती शाइनी मुरलीधरन, श्रीमती विनय गुप्ता, अजय सक्सेना, श्रीमती उषा थापा, श्रीमती सुनिति थपलियाल, राहुल सक्सेना, कुशल त्यागी, दीपक अवाना, सर्वेश मिश्रा, इंदु शेखर, मलय मणी, आलोक एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने फिल्म देखी। फिल्म बहुत ही प्रेरणादायक एवं जीवन में सही मार्ग दिखाने वाली है।

स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की याद में 21 सितंबर को दंगल

नोएडा (चेतना मंच)। स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाला 35वां विशाल दंगल इस बार 21 सितंबर को ग्राम सर्फाबाद, सेक्टर-73, टिवोली फार्महाउस (नियर आम्रपाली जोडियक, सेक्टर 119) में आयोजित किया जाएगा। यह दंगल लगातार पिछले 35 वर्षों से आयोजित होता आ रहा है।

पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने बताया कि यह दंगल सर्फाबाद और आस-पास के गांवों के लिए ऐतिहासिक आयोजन है। पिछले 35 वर्षों से लगातार हो रहा यह दंगल राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों को एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि इसका इंतजार न केवल पहलवानों को बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता को भी हर साल बेसब्री से रहता है।

इस बार के दंगल में कलवा गुर्जर (भारत केसरी) पुष्पेंद्र नेवी (हरियाणा भारत केसरी) सहित देशभर के कई नामी-गिरामी पहलवान हिस्सा लेने आ रहे हैं।इसके अलावा जूनियर और सीनियर वर्ग के पहलवान भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों के अनुसार सभी मुकाबले मिट्टी के अखाड़े में होंगे और सभी (शेष पृष्ठ-4 पर)

सुपरटेक इकोविलेज-1 के सामने नाले में गिरी गाड़ी, चालक जख्मी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटी सुपरटेक इकोविलेज-1 में आज सुबह 6 बजे के करीब एक टाटा-407 गेट नंबर-2 के सामने खुले नाले में गिर गई।

मिली जानकारी के मुताबिक एक तेज रफ्तार टैक्सी रॉन्ग साइड से आ रही थी जिसे बचाने के चक्कर में टाटा 407 के ड्राइवर का संतुलन बिगड़ा और वो गाड़ी समेत नाले में जा गिरा। सुपरटेक के गेट नंबर-2 पर मौजूद गार्ड तत्काल मौके पर पहुंचे और गाड़ी में फंसे ड्राइवर को किसी तरह बाहर निकाला। ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गया और उसका एक हाथ भी टूट गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। फिलहाल ड्राइवर की जान खतरे से बाहर बताई जा रही है। नाले में (शेष पृष्ठ-4 पर)

स्वदेशी का आह्वान

पिछले ग्यारह वर्षों में देश का नेतृत्व करते हुए हासिल उपलब्धियां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की सार्थकता को दर्शाती हैं। ऐसे में यह उनकी महज व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर व्यापक राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़ती है। गत बुधवार को, उन्होंने इस खास मौके पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीद का पुरजोर समर्थन किया। जो तमाम अंतर्राष्ट्रीय दबावों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को संबल देने का सहज-सरल विकल्प भी है। उनका देश के एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों से आग्रह रहा है कि-'आप जो भी खरीदें, वह हमारे देश में बना होना चाहिए।' उन्होंने इस आह्वान को अपने ही अंदाज में कहा कि वह उत्पाद 'किसी भारतीय के पसीने से बना होना चाहिए।' इसमें दो राय नहीं कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', 'आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत' का आह्वान उनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को ही परिभाषित करता है। हाल में किए गए जीएसटी सुधार, आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिये दिशा-निर्देश देना, उनकी आकांक्षाओं को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं कि उनकी सरकार द्वारा आरंभ की गई लक्षित कल्याणकारी योजनाओं से विशेष रूप से समाज की अंतिम पंक्ति पर खड़े वंचित समाज के लोगों को लाभ जरूर हुआ है। निर्विवाद रूप से 75वां जन्मदिन मनाते हुए भी वे निरंतर ऊर्जा से भरपूर राजनेता के रूप में नजर आते हैं। उन्होंने देश के सामने आई कठिन चुनौतियों के वक्त जिस दृढ़ता का परिचय दिया, वह आम नागरिक को संबल देने वाला रहा। अब चाहे एक सदी बाद आई कोविड-19 की महामारी हो, भारत-चीन सीमा का गतिरोध हो या उरी-पुलवामा-पहलगाम के आतंकी हमले हों। उन्होंने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दृढ़ता ही दिखाई है। जिसकी दुनिया के प्रमुख राजनेताओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। ऐसा इसलिए भी संभव हुआ क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने उनके नेतृत्व में विश्वास किया। यही वजह है कि वे विश्व के तमाम मंचों पर 140 करोड़ देशवासियों का संबल मिलने की बात किया करते हैं। सर्वविदित है कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस आक्रामक ढंग से टैरिफ हमला किया और रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने के लिये जैसा दबाव बनाया, प्रधानमंत्री की दृढ़ता के चलते ही वह विफल रहा है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। आज की युद्ध से त्रस्त दुनिया में, उन्होंने महाशक्तियों से दोटूक शब्दों में कहा भी कि यह युद्ध से समस्या समाधान का समय नहीं है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को यह अहसास दिलाया है कि भारत का वैश्विक आचरण वसुधैव कुटुम्बकम यानी विश्व एक परिवार है, के सिद्धांत पर आधारित है। उनकी मजबूत अभिव्यक्ति ने भारत ही नहीं ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को बुलंदी दी है। प्रधानमंत्री ने फिलहाल सेवानिवृत्ति की बहस को विराम देते हुए, तेजी से उभरते इस देश को नये जोश से आगे बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराया है। हालांकि, उनका मानना है कि अभी हमें कुछ बाधाओं को पार करना है। लेकिन यह एक निर्विवाद सत्य है कि भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभुत्व की महत्वाकांक्षी यात्रा भारत की मूल भावना यानी शांति, सद्भाव और एकजुटता की भावना पर टिकी है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी, मीडिया की स्वतंत्रता, समावेशी समाज तथा 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र का जमीनी हकीकत बनना भी अपरिहार्य है। भारत एक विविध संस्कृतियों और भाषा-धर्म का गुलदस्ता है, जिसकी महक से मजबूत भारत की संकल्पना हकीकत बनती है। जिसका हकीकत बनना उनके संकल्पों पर निर्भर करता है। तभी हम दुनिया से कह सकते हैं कि सबसे बड़ा लोकतंत्र वास्तव में लोकतांत्रिक मूल्यों को जीता है। तभी दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच पाएगा। निस्संदेह, किसी भी देश का सर्वांगीण विकास उसके नेतृत्व की क्षमता, सकारात्मकता और अपने नागरिकों को उत्साह से भरने वाले जज्बे पर निर्भर करता है। यह वक्त की जरूरत भी है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सिंह के समान (पुष्ट) गर्दन (गले का पिछला भाग) है, विशाल भुजाएँ हैं। (चौड़ी) छाती पर अत्यन्त सुंदर गजमुक्ता की माला है। सुंदर लाल कमल के समान नेत्र हैं। तीनों तापों से छुड़ाने वाला चन्द्रमा के समान मुख है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कानन्हि कनक फूल छबि देहीं। चितवत चितहि चोरि जनु लेहीं॥
चितवनि चारु भृकुटि बर बाँकी। तिलक रेख सोभा जनु चाँकी॥

कानों में सोने के कर्णफूल (अत्यन्त) शोभा दे रहे हैं और देखते ही (देखने वाले के) चित्त को मानो चुरा लेते हैं। उनकी चितवन (दृष्टि) बड़ी मनोहर है और भौंहें तिरछी एवं सुंदर हैं। (माथे पर) तिलक की रेखाएँ ऐसी सुंदर हैं, मानो (मूर्तिमती) शोभा पर मुहर लगा दी गई है॥

दो0-रुचिर चौतनीं सुभग सिर मेचक कुंचित केस।
नख सिख सुंदर बंधु दोउ सोभा सकल सुदेस॥

सिर पर सुंदर चौकोनी टोपियाँ (दिए) हैं, काले और घुँघराले बाल हैं। दोनों भाई नख से लेकर शिखा तक (एड़ी से चोटी तक) सुंदर हैं और सारी शोभा जहाँ जैसी चाहिए वैसी ही है॥

देखन नगरु भूपसुत आए। समाचार पुरबासिन्ह पाए॥
धाए धाम काम सब त्यागी। मनहुँ रंक निधि लूटन लागी॥

जब पुरवासियों ने यह समाचार पाया कि दोनों राजकुमार नगर देखने के लिए आए हैं, तब वे सब घर-बार और सब काम-काज छोड़कर ऐसे दौड़े मानो दरिद्री (धन का) खजाना लूटने दौड़े हों॥

(क्रमशः...)

पंजाब में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ घृणा अभियान जोरों पर

पंजाब में दूसरे राज्यों से आए मजदूरों का उड़ाया जाने वाला उपहास अब उनके विरोध यहां तक कि उन्हें पंजाब से बाहर करने की मांग तक पहुंच गया है। इन मजदूरों से खैनी-गुटका खाने से लेकर हर छोटे-मोटे अपराधों से इनका नाम जोड़ कर और बाहरी राज्यों से आए अपराधी किस्म के लोगों द्वारा किए गए घिनौने कृत्यों की आड़ में प्रदेश में घृणा अभियान चलाया जा रहा है।

गत दिनों 13 सितम्बर को होशियारपुर में दूसरे राज्य से आए एक व्यक्ति ने 5 वर्षीय हरवीर के साथ दानवों जैसा व्यवहार किया और बाद में उसकी नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने इसके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है परन्तु इस घटना से उपजे आक्रोश की आड़ में कट्टरपंथी शक्तियों ने अपना घिनौना खेल खेलना शुरू कर दिया है। अब राज्य में कई स्थानों पर पंचायतें दूसरे राज्यों से आने वाले श्रमिकों के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर रही हैं। केवल होशियारपुर में ही 25 पंचायतें इस तरह का प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं जिसमें बाहर से आए श्रमिकों को काम न देने, रहने को मकान न देने, उनके आधार कार्ड व राशन कार्ड न बना कर देने की बात कही गई है। बठिंडा में भी गहरी देवी नगर की पंचायत ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया है।

पंजाब में इन दिनों सोशल मीडिया पर बाहरी राज्यों से आए इन मजदूरों के खिलाफ घृणा अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें मेहनती मजदूरों की छवि को अपराधिक बना कर पेश किया जा रहा है। इन मजदूरों के खिलाफ विषवमन करने वालों में कनाडा, अमेरिका, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया में बैठे अलगाववादी लोग सबसे आगे हैं। इसी के चलते पंजाब में प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासी मजदूरों को गाँवों में काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने विधानसभा चुनाव प्रचार अभिचान में उत्तर प्रदेश और बिहार से आने वाले प्रवासी मजदूरों को अपमानजनक अर्थ में 'भैया' कहा था। दुखद बात यह है कि उस समय मंच पर मौजूद पार्टी की नेता प्रियंका गांधी ने चन्नी के इस शर्मनाक ब्यान पर तालियां बजाई थीं। ऐसा ही एक मामला आया है मोहाली से, जहाँ एक गाँव से प्रवासी मजदूरों को भगाया गया। मोहाली जिले के जंडपुर गाँव में प्रवासी मजदूरों को घर किराए पर लेने की अनुमति नहीं है। गाँव में उनके लिए 11 तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें रात 9 बजे के बाद बाहर जाने पर प्रतिबंध, धूम्रपान और तम्बाकू चबाने पर पाबंदी, और उनके कपड़ों को लेकर सख्त नियम शामिल हैं। गाँव के गुरुद्वारा कमेटी ने यह फैसला लिया कि प्रवासी मजदूर अब गाँवों में नहीं रह सकते। इसी साल अगस्त में मुंडो संगतियां गाँव से प्रवासी मजदूरों को निकालने का सिलसिला शुरू हुआ। जब मजदूरों को काम से निकाल कर गाँव से बाहर कर दिया गया, तो यह मामला पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तक पहुँचा। वैभव वत्स नामक एक व्यक्ति ने प्रवासी मजदूरों को अवैध रूप से निकालने के खिलाफ याचिका दायर की, जिससे यह मामला कानूनी चर्चा में आया।

वासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

दूसरी तरफ, प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं। वेतन वाले दिन यह श्रमिक इन अपराधी तत्वों का विशेष लक्ष्य होते हैं और फैक्ट्री से घर जाते समय इनको रास्ते में लूट लिया जाता है। पुलिस प्रशासन इनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं देता और कई बार तो प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती। बहुत सी श्रमिक बस्तियां सडक़, बिजली, पानी, सीवरेज जैसे मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं और इन श्रमिकों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। राजनीतिक दल बहला फुसला कर इनसे वोटें तो हासिल कर लेते हैं परंतु असंगठित होने के कारण इनकी मांगों पर गौर तक नहीं किया जाता। समय की मांग है कि आपराधिक कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करते हुए श्रमिक वर्ग के खिलाफ अभियान चलाने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्ती से पेश आया जाए और पंजाब में निवास कर रहे बाहरी राज्यों के श्रमिकों को पूरी सुरक्षा व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

प्रदेश में चले इस अभियान को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि प्रदेश पिछले कई दशकों से अलगाववाद की आग में जल रहा है। बिखराव की इस आंच में अलाव डालने का काम देश-विदेश में बैठी समाज विरोधी शक्तियां कर रही हैं। सोशल मीडिया पर चल रहे इस अभियान के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैण्डलरों के थ्रेड ही चेक कर लिए जाएं तो सारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि इसके पीछे कौन हैं।

- राकेश सैन

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाज़ी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाज़ी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाज़ी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है। लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाज़ी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना। अगर हम चाहते हैं कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके, तो आतिशबाज़ी को त्यागना ही होगा। सरकारें अपनी नीतियों से इस दिशा में पहल कर चुकी हैं, अदालत ने भी कठोर आदेश दिए हैं, अब बारी समाज की है कि वह अपनी सोच बदले और अपने त्योहारों को पटाखों के बिना भी और अधिक रोशन और सार्थक बनाए। एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहार मनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हमारे उत्सव जीवनदायी और सार्थक बनेंगे। यही समय है कि हम सामूहिक रूप से एक नई परंपरा गढ़ें, आतिशबाज़ी रहित त्योहारों की परंपरा, ताकि आने वाली पीढ़ियां हमें दोष न दें कि हमने उनके हिस्से की स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छीन लिया।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। विद्यार्थीगण लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बन रहा है थोड़ी कठिनाई के साथ। गृह कलह के संकेत हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। कठिनाइयों के साथ व्यावसायिक सफलता दिख रही है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन हानि के संकेत हैं। वाणी पर विराम रखें। स्वास्थ्य ठीक है लेकिन थोड़ा मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा होगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सर दर्द, नेत्र पीड़ा बनी रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। लेकिन कठिनाई के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट-कचहरी से बचें। व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। सीने में विकार संभव है। प्रेम, संतान मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टकारी है। कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य और साथ पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में थोड़ी कठिनाई होगी लेकिन नुकसान नहीं होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान भी मध्यम है लेकिन व्यापार अच्छा रहेगा।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने देखी जीवन पर आधारित वेब सीरीज़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़े के तहत भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित वेब सीरीज़ 'चलो जीतें हैं' का विशेष प्रदर्शन ओमैक्स कनाट पैलेस के आईनॉक्स मूवी थियेटर, वेनिस मॉल में देखा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर और जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि फिल्म में प्रधानमंत्री मोदी के बचपन के संघर्ष और उनके जीवन चरित्र को दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी का जीवन चुनौतियों से भरा हुआ रहा है और उनकी दृढ़ता और संघर्ष से सभी को प्रेरणा मिलती है। हमे अपने जीवन में भी इसी प्रकार मजबूती और समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, धर्मेन्द्र कोरी, सतेंद्र नागर, राहुल पंडित, पवन रावल, पवन नागर, कर्मवीर आर्य, इन्द्र नागर, सत्यपाल शर्मा, अमित पंडित, राज नागर, जितेन्द्र भाटी, अर्पित तिवारी, मनोज भाटी, दिनेश भाटी, अशोक रावल, रजनी तोमर, पंकज रावल, रवि जिंदल, विजय कसाना, राजेश ठेकेदार, विशाल गोयल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर बीटा-1 में सफाई व्यवस्था पर नाराजगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर बीटा-1 की सफाई व्यवस्था को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साईं नाथ कंपनी को सफाई का टेंडर दिया गया है। कंपनी को सेक्टर की सभी गलियों में हर तीसरे दिन झाड़ू लगाकर पत्ते और कचरा उठाने का कार्य करना है, लेकिन निवासियों का कहना है कि कार्य समय पर और सही ढंग से नहीं हो रहा है।

सेक्टर बीटा वन आरडब्ल्यूए के महासचिव हरेन्द्र भाटी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग और ठेकेदार से आग्रह है कि सेक्टर की सभी गलियों में सफाई वह स्तर हो, जो सेक्टरवासियों की अपेक्षाओं के अनुरूप हो।

नर्सिंग सिर्फ करियर नहीं, बल्कि मानवता की सेवा : डॉ. डीके गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (GIMSAR) में बुधवार को बीएससी नर्सिंग के तीसरे बैच (2025-29) के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'विहान-2025' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. डीके गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने बताया कि नर्स मरीज के दुख को सबसे पहले समझती है और उपचार की पूरी प्रक्रिया में उसका भरोसेमंद सहारा बनती है। डॉक्टर इलाज की दिशा तय करते हैं, लेकिन मरीज की देखभाल, मानसिक सहारा और सतर्क निगरानी नर्स ही करती है। नर्स का योगदान किसी भी अस्पताल की आत्मा जैसा है।

डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि आज नर्सिंग केवल अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह घर-घर स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, जन जागरूकता और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यों तक फैली हुई है।

नर्सिंग छात्रों से डॉ. डी.के. गुप्ता ने आह्वान किया कि वे इस करियर को केवल नौकरी तक सीमित न रखें, बल्कि इसे सेवा भाव और समर्पण के साथ निभाएं।

भाकियू का प्रतिनिधि मंडल ओएसडी से मिला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक (मंच) का प्रतिनिधि मंडल किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह से भेंट किया। बैठक में किसानों की समस्याओं पर बिंदुवार चर्चा हुई।

मुख्य चर्चा के मुद्दों में 10 प्रतिशत प्लॉट, 64.7 प्रतिशत मुआवजा, किसानों की आबादी, बैक लीज़, आर एंड आर रजिस्ट्री, जमीन शिफ्टिंग के मामले, यमुना प्राधिकरण के अंतर्गत गांवों का विकास, जेवर एयरपोर्ट और उद्योगों से संबंधित समस्याएं, तथा किसानों के बच्चों के रोजगार जैसे विषय शामिल रहे।

प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी जीवन सिंह, राष्ट्रीय सचिव प्रकाश प्रधान, राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा, एनसीआर अध्यक्ष विभोर शर्मा, एनसीआर उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष सुनील दायमा, युवा जिला अध्यक्ष विकास शर्मा, एनसीआर सचिव रामवीर अवाना, जिला महासचिव विजय खटाना, परवीन शर्मा, चौधरी मांगेराम, चौधरी गजराज, मुनेन्द्र भारद्वाज, गोपी कश्यप, अप्पू शर्मा, महकेश, सतीश शर्मा, संजय शर्मा, बिजेंद्र चौहान, सुशील शर्मा, अमित चौधरी, बोबी भाटी, रणजीत शर्मा, सुधीर शर्मा, मुन्ना सिंह, जगमिंदर, कुलदीप अत्री, चंदन बजरंगी, यशपाल राणा, नीरज शर्मा आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपाईयों ने किया रक्तदान

भदोही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिले के विभिन्न मंडलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में मंडलों में सेवा पखवाड़ा का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चौरी मंडल के अंतर्गत महाराजा बलवंत सिंह सामुदायिक अस्पताल भदोही में शुभम सिंह के नेतृत्व में 50 लोगों की भागीदारी के साथ रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रविंद्रनाथ त्रिपाठी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के सभी कार्यक्रम सराहनीय हैं और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर जिला संयोजक नागेंद्र सिंह, गोवर्धन राय, दिलीप गुप्ता, अखंड प्रताप सिंह, निहला सरोज पंडित सिंह, शुभम सिंह, राहुल पाल, मोहित यादव, प्रिंस यादव, मिथुन राय समेत कई वरिष्ठ और बरीष्ठ लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने किया रक्तदान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर भाजपा के जिला कार्यालय पर भाजपा ग्रेटर नोएडा मंडल के उपाध्यक्ष कपिल भाटी ने रक्तदान किया।

इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राज नागर सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे। रक्तदान करने के बाद भाजपा नेता कपिल भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को विश्व पटल पर अलग पहचाना दिलवाई है।

इफको में हुआ विश्वकर्मा प्रतिमा का विसर्जन

इफको। फूलपुर संयंत्र के केन्द्रीय कार्यशाला (यांत्रिक) से विश्वकर्मा भगवान का विसर्जन विधि-विधान एवं धूम-धाम से हुआ। विसर्जन इफको घियानगर स्थित तालाब में हुआ। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) संजय वैश्य, महाप्रबंधक क्रमशः संजय भंडारी, पी.के.सिंह, डॉ अनीता मिश्र, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, एस.के. सिंह, ए.के.गुप्ता, पी.के. वर्मा, डॉ सत्य प्रकाश, आर.पी.यादव, पी.के.त्रिपाठी,संदीप गोयल,विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

झुंडपुरा की तनीषा...

की ही वंशिका भड़ाना ने भी सेंटर काउंसलर का पद जीता है। समीक्षा नागर ट्रेजर के पद आसीन हुई हैं। समाज की तीनों लड़कियों की सफलता पर समाज के लोगों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय लोक दल नोएडा महानगर के महासचिव नरेंद्र तंवर ने अपनी भतीजी तनीषा की इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि उनकी बिटिया देश और समाज का नाम रोशन कर रही है।

लिविंग पार्टनर ....

मृतका का अपने पति से तलाक हो गया था, तथा आरोपी शादीशुदा है। वह अपनी बीवी बच्चों के साथ दिल्ली के दल्लूपुरा में रहता है।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि 3 वर्ष पूर्व ममता उसके साथ दिल्ली आई तथा उसने कहा कि मेरी नौकरी लगवा दो। इसी बीच दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। ममता उसके साथ लिविंग मे किराए पर मकान लेकर अलग रहने लगी। आरोपी के अनुसार मृतका उस पर यह दबाव बना रही थी कि वह उसके साथ शादी करे और अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दे। आरोपी के अनुसार उससे झगड़ा करके ममता घर से चली गई थी। घटना से एक दिन पूर्व बिहार से वह दिल्ली आई, तथा उसने बात करने के लिए उसे बुलाया। दोनों दिल्ली से नोएडा के अमिताभ पार्क में पहुंचे। वहां पर आरोपी ने सेब खरीदा तथा उसे काटने के लिए चाकू लिया। आरोपी मृतका के साथ पार्क में बैठकर बात करने लगा। इसी बीच दोनों में विवाद हुआ तथा आरोपी ने सेब काटने के लिए खरीदे गए चाकू से महिला की गर्दन पर वार कर दिया तथा उसकी हत्या कर शव को वहीं छोड़कर भाग गया।

सीईओ से कल वार्ता...

प्राधिकरण कार्यालय में मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौजूद भाकियू के चौधरी गौरव टिकैत की उपस्थिति में कुछ मुद्दों पर सकारात्मक विचारों के साथ सहमति बनी। अन्य मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में 20 सितंबर को पुनः सीईओ डॉ. लोकेश एम और समस्त अधिकारियों के साथ समस्याओं के समाधान के लिए होगी।

बैठक में डीजीएम सिविल विजय रावल, डीजीएम जल सीवर आरपी सिंह, जीएम प्लानिंग मीना भार्गव, भाकियू से सुभाष चौधरी, श्रीपाल कसाना, मनोज मावी, सुन्दर बाबा, रविंदर भगत, जोगिंदर भड़ाना, विपिन प्रधान, सिंहराज गुर्जर, संजय फौजी, प्रवीण बाबा, धीरेस नम्बरदार, विनोद प्रधान, नवल प्रधान आदि उपस्थित रहे।

सेक्टर-11 के...

उनकी पत्नी ने लोगों के सहयोग से बदमाशों को दबोच लिया।

बदमाशों ने बचाव में ईंट भी मारी जिससे चौकीदार समेत दो लोगों को गंभीर चोटें भी आई। बाद में सेक्टरवासियों ने पुलिस को बुलाकर दोनों बदमाशों को उनके हवाले कर दिया। पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम संजय पुत्र देव नारायाण निवासी कल्याणपुरी दिल्ली तथा आशू पुत्र शुखबीर निवासी दल्लूपुरा, दिल्ली बताये। लोगों का कहना है कि सेक्टर-11 तथा सेक्टर-12 में पिछले कई माह से ये झपटमार वारदातों को अंजाम दे रहे थे पर पुलिस आज तक इनको गिरफ्तार नहीं कर पाई।

सेक्टरवासियों ने चौकी हरिदर्शन चौकी प्रभारी की लापरवाही तथा गश्त न करने को लेकर भी रोष जताया तथा जमकर नारेबाजी की।

सुपरटेक इकोविलेज-1..

फंसी गाड़ी को क्रेन से निकाला गया। सुपरटेक गेट नंबर-2 पर मौजूद गार्ड और दूसरे लोगों की तत्परता से ड्राइवर की जान बचाई जा सकी।

स्वर्गीय प्रधान श्याम...

कुश्तियां बंदी होंगी यानी तय मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि इस बार दंगल का प्रथम पुरस्कार ढाई लाख रुपये रखा गया है।इसके अलावा अन्य श्रेणियों में भी आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। जितेंद्र यादव ने बताया कि पहलवानों के लिए उचित व्यवस्था की गई है। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि दर्शक सुरक्षित माहौल में दंगल का आनंद ले सकें।

'सेवा पखवाड़ा' : राजस्थान ने कायम की मिसाल

▸▸ लक्ष्य से ज्यादा रक्तदान कर प्रदेश ने निभाया सामाजिक सरोकार

▸▸ एक ही दिन में 27 हजार 629 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 सितंबर से शुभारंभ किए गए सेवा पखवाड़ा के तहत प्रथम दिन आयोजित रक्तदान शिविरों में राजस्थान ने लक्ष्य से अधिक रक्त एकत्र कर मिसाल कायम की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित रक्तदान शिविरों में 25 हजार यूनिट के लक्ष्य के विरुद्ध एक ही दिन में लोगों ने 27 हजार 629 यूनिट रक्तदान कर जीवन रक्षा की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दिया है। सबसे अधिक बीकानेर संभाग में 6 हजार 539 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविरों के साथ-साथ रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। इन स्वास्थ्य शिविरों में लाखों लोगों ने न केवल निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं का लाभ लिया, बल्कि रक्तदान शिविरों में बढ़-चढ़कर रक्तदान करते हुए सामाजिक सरोकारों को निभाया और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

रक्तदान में बीकानेर सबसे आगे

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बीकानेर संभाग में 6 हजार 539, जयपुर संभाग में 6 हजार 500, जोधपुर संभाग में 4 हजार 904,अजमेर संभाग में 3 हजार 225, उदयपुर संभाग में 3 हजार 148 , कोटा संभाग में 2 हजार 767 एवंभरतपुर में 546 लोगों सहित कुल 27 हजार629 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

एनीमिया स्क्रीनिंग में राजस्थान अव्वल

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि 17 सितंबर से ही संचालित स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविरों में जनसंख्या के अनुपात में एनीमिया स्क्रीनिंग में राजस्थान पहले स्थान पर रहा। प्रदेशभर में 17 सितंबर को आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में 50 हजार 75 किशोर-किशोरियों सहित अन्य की एनीमिया स्क्रीनिंग की गई।

दो अक्टूबर तक शिविर आयोज्य

- दो अक्टूबर तक आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं एवं किशोरियों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की जांच और कैंसर जैसी बीमारियों की शुरूआती पहचान, एनीमिया स्क्रीनिंग,टीबी, सिकल सेल की जांच, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा प्रदान की जा रही है।

मातृवंदन योजना पंजीकरण

- इसके अलावा महिलाओं एवं किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और पोषण से जुड़ी जानकारी व परामर्श एवं प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना में विशेष पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

- भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर मोतीडूंगरी स्थित श्री गणेश मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश के विकास और आमजन की खुशहाली की कामना की।

मोदी के जन्मदिन पर अजमेर को लेपर्ड सफारी की सौगात

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अजमेर शहर को लेपर्ड सफारी की सौगात मिली है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने काजीपुरा गांव में लैपर्ड सफारी के लिए तैयार किए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों पर 20 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर शहर को एक और बड़ी सौगात मिलने वाली है। शहर के काजीपुरा, खरेखड़ी, अजयसर और आस-पास के गांव में फैली गंगा-भैरव घाटी में लेपर्ड सफारी विकसित की जाएगी। झालना, रणथम्भौर, सरिस्का, रावली-टॉडगढ़ और जवांई बांध की तर्ज पर गंगा-भैरव घाटी को भी लेपर्ड सफारी और घाटी के मनोरम दृश्य देखने के लिए सैलानियों के लिए खोला जाएगा। सैलानी यहां घाटी में ट्रेकिंग के साथ ही सम्राट पृथ्वीराज चौहान के समय के अस्तबल, उनके राज्य के अन्य स्मृतियां, सैनिक छावनी स्थल और अन्य स्थानों पर घूम सकेंगे। ट्रेक पर सैलानियों के विश्राम की भी व्यवस्था होगी। इस अवसर पर रमेश शर्मा, दीपक शर्मा, महेंद्र सिंह, गुलाब सिंह, लाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में वन विभाग के अधिकारी, ग्रामीण मौजूद रहे।

सैलानी देख सकेंगे सम्राट पृथ्वीराज चौहान का अस्तबल, सैनिक छावनी और हरी-भरी घाटी

स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

चामुंडा माता व भैरव मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को भी इस ट्रैक से सुविधा होगी। मार्ग में रेस्ट प्वाइंट्स, अल्पाहार केंद्र तथा सेल्फी प्वाइंट्स जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएगी। इस परियोजना से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

अजमेर को मिलेगी नई पहचान

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भैरव घाटी में लेपर्ड सफारी बनने से अजमेर को एक नई पहचान पर्यावरणीय पर्यटन स्थल के रूप में मिलेगी। अब पर्यटन के क्षेत्र में इसे और समृद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एवं वन मंत्री से इस परियोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।

साइंस पार्क का होगा निर्माण

बच्चों में विज्ञान की जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए साइंस पार्क का निर्माण, वरुणसागर का सौंदर्यकरण, अजमेर एंट्रेंस प्लाजा सहित अन्य कार्य भी करोड़ों रुपए की लागत से करवाए जाएंगे। इससे शहर का पर्यटन के क्षेत्र में कायापलट होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्पोर्ट्स कॉलेज व सैनिक स्कूल भी खोले जा रहे हैं।

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 25 को

जोधपुर। जोधपुर में नवनिर्मित स्वामीनारायण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 25 सितंबर को होगी। इस दौरान संतों के सानिध्य में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित कई राजनेता उपस्थित रहेंगे। जोधपुर में स्वामीनारायण मंदिर जोकि अक्षरधाम के नाम से विख्यात है। यह मंदिर कालीबेरी सूरसागर में स्थित है। यह मंदिर जोधपुर के लिए एक अनुपम नजराना है। इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 25 सितंबर को संस्था के प्रमुख आध्यात्मिक ग्रुप परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के कर कमल के साथ कई राजनेता उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही इस विराट उत्सव में न केवल राजस्थान न केवल भारत अर्पितु विश्व के सभी चार महाद्वीपों के लोग दर्शन के लिए आने वाले हैं। इसमें अमेरिका इंग्लैंड फ्रांस ऑस्ट्रेलिया अफ्रीका के विभिन्न देश से हरि भक्तों की बड़ी संख्या में टोली यहां पहुंचेगी और इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होगी। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के गौरव के रूप में विख्यात अक्षरधाम मंदिर जोधपुर जिसके प्राण प्रतिष्ठा के समारोह 19 सितंबर से शुरू होगा जो की 28 सितंबर तक चलेगा। वहीं, 24 सितंबर को भव्य शोभायात्रा भी निकल जाएगी। यह शोभायात्रा गांधी मैदान से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई उम्मेद उद्यान तक पहुंच कर संपन्न होगी। इस मंदिर के परिचय के रूप में बताएं तो यह मंदिर परिसर 42 बीघा में फैला हुआ है। मुख्य द्वार 191, 181 और 111 फीट दूर हैं। वहीं इसके पांच शिखर हैं, 281 स्तंभ हैं, 121 तोरण कमान है। इस मंदिर के खंभों पर 151 मूर्तियां उतारी गई हैं। भाई यह परिक्रमा की बात करें तो 1100 फीट की इस मंदिर की परिक्रमा होगी। यह भाव और विराट मंदिर पश्चिमी राजस्थान के सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का गौरव भी माना जा रहा है।

विश्वभर से हरिभक्त होंगे शामिल

मोदी के रिटायरमेंट बहस से दूर पवार

- 'मैं 85 साल का, मेरे बोलने का नैतिक आधार नहीं'

कोल्हापुर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि वह खुद जब 85 वर्ष की उम्र में काम कर रहे हैं तो उनका इस बहस में पड़ने का कोई 'नैतिक अधिकार' नहीं बनता कि क्या किसी नेता को 75 वर्ष की आयु पार करने के बाद पद छोड़ देना चाहिए या नहीं। पवार ने कहा कि भाजपा में लोग अब कहते हैं कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि 75 वर्ष की आयु के बाद नेताओं को नेपथ्य में चले जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के 75 वर्ष के होने के एक दिन बाद उम्र संबंधी बहस के बारे में पूछे जाने पर राकांपा (शरद पवार) प्रमुख ने कहा कि मैं कहां रुक गया हूं? मैं 85 वर्ष का हूं और मुझे टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। पवार ने कहा कि मेरे 75वें जन्मदिन पर पीएम मोदी खुद मेरे पास आए थे। उन्होंने मुझे बधाई दी थी और मेरे काम की सराहना की थी। राजनीति में संस्कृति और सभ्यता का पालन करना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रुकने के लिए कैसे कह सकता हूं।

बाड़मेर : एनएसजी कमांडो की खूनी वारदात

तलवार के वार से एक की मौत, एक गंभीर

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर में एनएसजी कमांडो चंपालाल और उसके साथियों पर धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप है। दरअसल, सरनू गांव के पास वाहन रोककर किए गए हमले में केताराम की मौके पर मौत हो गई, जबकि हरलाल गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है, लेकिन चंपालाल फरार है। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बुधवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने धारदार हथियारों से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

इस हमले में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के कमांडो चंपालाल और उसके सहयोगियों का नाम सामने आया है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र मीणा ने बताया कि मुख्य आरोपी चंपालाल बाड़मेर का निवासी है और फिलहाल छुट्टी पर घर आया हुआ था। घटना के बाद से वह फरार है। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जबकि एनएसजी अधिकारियों को भी इस पूरे मामले की जानकारी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार देर रात सरनू गांव के पास केताराम, हरलाल और उनके साथी वीरेंद्र गाड़ी से घर लौट रहे थे। तभी एक एसयूवी और बाइक पर सवार करीब पांच हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और तलवार समेत धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। हमले में केताराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे पहले बाड़मेर जिला अस्पताल लाया गया और फिर हालत नाजुक होने पर जोधपुर रेफर किया गया। वहीं, वीरेंद्र एक गड्ढे में गिर जाने से बच निकला।

घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव से इंकार कर दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी अस्पताल पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड तैनात कर सबूत जुटाने शुरू कर दिए। फिलहाल पुलिस हमले के पीछे की वजह तलाश रही है और फरार आरोपी चंपालाल की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। यह वारदात पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डिग्गी में डूबने से चाचा-भतीजे की मौत

रानीवाड़ा। उपखंड क्षेत्र के जालेरा खुर्द गांव में बुधवार देर शाम को दर्दनाक हादसा हो गया। खेत पर बनी पानी की डिग्गी में डूबने से एक बच्चे समेत युवक की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार गांव के किशोर पुत्र अशोक कुमार भील डिग्गी के पास बैठा था एवं अचानक से पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। उसे डूबते देख चाचा पोपटराम भील (युवक) ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की गहराई में फंस जाने से वह भी डूब गया। दोनों को बाहर निकालने के प्रयास में एक बुजुर्ग भी डिग्गी में उतरे, हालांकि उन्हें बचा लिया गया, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बुजुर्ग को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में सांचौर रैफर किया गया है। सूचना मिलते ही रानीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला। दोनों शवों को रानीवाड़ा सीएचसी लाया गया, जहां मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।मृतक पोपट राम और किशोर आपस में चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं। इस दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

पेंशन पर वित्त मंत्रालय का आदेश

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा आदेश जारी किया है। मंत्रालय ने कहा है कि सभी सरकारी कर्मचारियों को 30 सितंबर से पहले पेंशन योजना के विकल्प का चुनाव करना जरूरी होगा। मंत्रालय ने सभी कर्मचारियों से कहा है कि वे हर हाल में 30 सितंबर तक अपनी इच्छानुसार पेंशन योजना का चुनाव अवश्य कर लें।

फौज ही एकमात्र ऐसी जगह, जहां भाई-भतीजावाद नहीं : सीडीएस

रांची। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने ज़ोर देकर कहा कि कहा कि भारतीय फौज ही एकमात्र ऐसी जगह है जहां कोई भाई भतीजावाद नहीं होता है। उन्होंने बच्चों से देश की सेवा करने और नई जगहों की खोज करने के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा रखने का आग्रह किया। उन्होंने रांची में स्कूली बच्चों के साथ बातचीत के दौरान ये बात कही। जनरल चौहान ने यह भी कहा कि सशस्त्र बलों ने इस साल बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाओं के बीच नागरिकों को बचाने के लिए पूरा प्रयास किया। उन्होंने कहा, 'फौज' (सेना) ही एकमात्र ऐसी जगह है जहां भाई-भतीजावाद नहीं है। अगर आप देश की सेवा करना चाहते हैं और देश और दुनिया की खोज करना चाहते हैं, तो आपको सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा रखनी चाहिए। उन्होंने इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को किसी तरह के नुकसान से बचाने के लिए 7 मई को सुबह 1 बजे पहला हमला किया गया था। उन्होंने कहा, "रात के दौरान लंबी दूरी के लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है।" बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया था। पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

लोगों को लूटकर घटना का वीडियो बनाता था गिरोह

रावण गैंग के नौ बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

मुंबई। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड में क्राइम ब्रांच ने कुख्यात रावण गिरोह के 9 सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। जो शहर में स्थित एक ज्वेलरी शॉप में डकैती की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। तभी एक मुखबिर ने इसकी जानकारी क्राइम ब्रांच को दी। पुलिस ने जाल बिछाकर चीखली पाटील नगर इलाके से छापामारी करते हुए इन लोगों को हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनिरुद्ध उर्फ विक्की राजू जाधव, अभिषेक उर्फ बकासुर चिमाजी पवार, यश उर्फ गोंदिया आकाश खंडागले, शुभम गोरखनाथ चौहान, प्रद्युम्न राजकुमार जवळगे समेत अन्य तीन नाबालिक बच्चों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि रावण गैंग लोगों से लूटपाट करता था और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करता था। ताकि समाज में दहशत फैलाया जा सके। शहर में आपराधिक वारदात को अंजाम देने वाले रावण गिरोह के इन सदस्यों के खिलाफ पुणे जिले के पुलिस थानों में दर्जनों आपराधिक मामले इससे पहले भी दर्ज हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि शहर के एक बड़े ज्वेलरी शॉप में डकैती के वारदात को ये लोग अंजाम देने वाले थे। पुलिस ने इस मामले में एक स्विफ्ट और एक ऑडी कार समेत एक देशी पिस्तौल, जिंदा राउंड, गुप्ती, मिर्च पाउडर, लकड़ी के डंडे, रस्सी समेत कुल 15 लाख 26 हजार रुपए कीमत का सामान बरामद किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्रूरता की हद पार

ट्रक में ठूंसकर ले जाए जा रहे थे 26 गोवंश

▸▸ दम घुटने से नौ की मौत

सागर। गोवंशों पर बढ़ रही क्रूरता समाज के लिए चिंता का एक बड़ा विषय है। सागर से भी गोवंश के साथ क्रूरता का बड़ा मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, जैसीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम करहद में बुधवार तड़के पुलिस ने महाराष्ट्र पासिंग एक ट्रक से 26 गोवंशों को क्रूरता से रस्सियों से बंधी हालत में बरामद किया। इनमें से 9 गोवंशों की दम घुटने से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने जीवित मवेशियों को गौशाला भिजवाया और ट्रक को थाने में खड़ा कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। एएसआई प्रवीण कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 4 बजे डायल-112 पर सूचना मिली कि ग्राम करहद के पास एक ट्रक संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां एमएच-40 सीटी-4221 नंबर का ट्रक खड़ा मिला। ट्रक में 26 गोवंश रस्सियों से बंधे थे। दम घुटने और भीड़भाड़ की वजह से 9 मवेशियों की मौत हो चुकी थी। ट्रक का ड्राइवर और क्लीनर मौके से फरार हो गए। जैसीनगर पशु चिकित्सालय के डॉक्टर रंजीत सिकरवार ने मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम किया। जीवित गोवंशों को सुरक्षित रूप से बांसा गौशाला भेजा गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और गोवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द गिरफ्तारी होगी।

कर्नाटक में एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली। कर्नाटक में वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की बड़ी मुहिम शुरू होने वाली है। अगले हफ्ते से विशेष गहन संशोधन की शुरुआत हो सकती है, बशर्ते चुनाव आयोग की मंजूरी मिल जाए। सुप्रीम कोर्ट के बिहार में एसआईआर की वैधता पर फैसले का इंतजार है, जो पूरे देश में इसकी राह खोलेगा। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अंबुकुमार ने बताया कि तैयारियां लगभग पूरी हैं।

'गोवा का भूतिया एयरपोर्ट' बताने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

नई दिल्ली। अक्षय वशिष्ठ ने फेसबुक में एक हेडिंग पर लिखा था 'गोवा का भूतिया एयरपोर्ट'। इसी गलत हेडिंग के कारण उन्हें दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। यूट्यूबर अक्षय वशिष्ठ को गोवा पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। गोवा पुलिस ने गलत जानकारी फैलाने वाले यूट्यूबर को गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष टीम भेजी थी। अक्षय ने अपने फेसबुक चैनल पर 'गोवा का हॉन्टेड एयरपोर्ट' हेडिंग से एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें मोपा हवाई अड्डे के बारे में गलत जानकारी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि फेसबुक चैनल 'रियल टॉक क्लिप्स' के एडमिन अक्षय वशिष्ठ ने मोपा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में गलत जानकारी देते हुए एक वीडियो अपलोड किया था। पणजी स्थित पुलिस मुख्यालय में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल के पुलिस कांस्टेबल सूरज शिरोडकर ने इस पोस्ट को फ्लैग किया था। शिरोडकर की शिकायत में कहा गया है कि वशिष्ठ की पोस्ट में 'झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अंधविश्वासी आरोप शामिल हैं, जो उनके चैनल को बढ़ावा देने के इरादे से भय और सार्वजनिक चिंता पैदा करने में सक्षम हैं।' 15 सितंबर को मोपा एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद, पुलिस को तकनीकी निगरानी के जरिए पता चला कि आरोपी दिल्ली में रहता है। इसके बाद एक टीम राष्ट्रीय राजधानी पहुंची। उन्होंने आरोपी को द्वारका से ढूंढ निकाला। पूरा ऑपरेशन पुलिस इंस्पेक्टर नारायण चिमुलकर की देखरेख और मार्गदर्शन में किया गया। आगे की जांच जारी है। आरोपी भूत से जुड़े वीडियो ही बनाता था, जिसमें भूतों से जुड़ी अलग-अलग कहानियां बताई जाती थीं।

जैसमीन और मीनाक्षी की नजरें अब ओलंपिक पर लगीं

नई दिल्ली । विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता महिला मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा की नजरें अब लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर लग गयी हैं। जैसमीन और मीनाक्षी ओलंपिक में पदक जीतना चाहती हैं। दोनो ही मुक्केबाज लीवरपूल में विश्व चैंपियनशिप में मिली जीत से उत्साहित हैं। जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता जूलिया सेरेमेटा को हराकर पदक जीता है। जैसमीन का कहना है कि अब वह ओलंपिक खेलों की तैयारी करेंगी। इसमें उन्हें विश्व चैम्पियनशिप के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। विश्व चैंपियनशिप में तीसरे प्रयास में जीत हासिल करने वाली जैसमीन ने कहा, ''यह अच्छा लगता है और स्वर्ण पदक जीतना अपने आप में बेहद खुशी की बात है। मेरे कोच ने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मेरी बहुत मदद की है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।''वहीं ओलंपिक की तैयारियों को लेकर कहा कि इसमें कोच के मार्गदर्शन में वह तकनीकी ट्रेनिंग करेंगे। जैसमीन के कोच संदीप वहीं पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली मीनाक्षी ने कहा कि उनकी नजरें नवंबर में भारत में होने वाले विश्व कप पर टिकी हैं। मीनाक्षी ने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण किया था। मीनाक्षी ने कहा, ''विश्व कप नवंबर में भारत में होगा और मैं वहां भी स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करना चाहती हूं। कोई भी व्यक्ति परफेक्ट नहीं होता और मुझे अपने कौशल पर काम करना होगा और कड़ी मेहनत करनी होगी। हार से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''जीतने के बाद आप कुछ दिनों के लिए खुश रहते हैं लेकिन हार से बहुत कुछ सीखते हैं। यह मेरी पहली विश्व चैंपियनशिप थी। मैं बहुत खुश हूं।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनुज और हिया को खिताब

इंदौर। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित यशवंत क्लब चौथी जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनुज सोनी ने पुरुष वर्ग और हिया पटेल ने महिला वर्ग का खिताब जीता। बालक वर्ग में शौर्य भांगिया और अबू बकर ने भी शानदार सफलता हासिल करते हुए अपने-अपने वर्ग के फाइनल मुकाबले जीते। यशवंत क्लब में खेली गई इस स्पर्धा के पुरुष वर्ग के फाइनल में अनुज सोनी ने एक कड़े मुकाबले में कार्तिकेय कौशिक को 8-11, 7-11, 11-6, 11-6, 11-7, 8-11, 11-6 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में अनुज ने दिव्यम अग्रवाल को 4-2 से और कार्तिकेय ने अंश गोयल को 4-1 से हराया था। वहीं, महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में हिया पटेल ने कड़े संघर्ष के बाद भाग्यश्री दवे को 14-12, 5-11, 7-11, 11-8, 11-6, 11-9 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ हिया ने अपना दूसरा खिताब भी जीता। सेमीफाइनल में हिया ने भूमिका साहूकार को 3-0 से और भाग्यश्री ने सारवी बिष्ट को 3-2 से हराया। बालक अंडर-19 वर्ग में अबू बकर ने फाइनल में आर्जव बाकलवाल को 11-8, 11-6, 11-5 से हराकर खिताब जीता। वहीं, बालक अंडर-15 वर्ग के फाइनल मुकाबले में शौर्य भांगिया ने अर्णव शेलगाओंकर को 11-6, 11-8, 11-5 से हराकर खिताबी सफलता हासिल की। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण समारोह मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमोद सोनी, संतोष कौशिक, जिला सचिव नीलेश वेद और गौरव पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिरीष भागवत ने किया, जबकि आभार प्रशांत व्यास ने व्यक्त किया।

भारत के बाद पाकिस्तान टीम भी सुपर-4 में पहुंची, यूएई और ओमान का सफर समाप्त

दुबई।

पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई।

पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद को दो-दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और सलमान आगा ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान सुपर-4 में पहुंचे

ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान की टीमों ने सुपर-4 में प्रवेश कर लिया। भारत ने अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की और चार अंक व +4.793 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है। अब टीम का ग्रुप चरण में तीसरा मुकाबला 19 सितंबर को ओमान से होना है। वहीं, पाकिस्तान की टीम ने अपने तीनों मुकाबले खेल लिए। पहले मैच में उसने ओमान को 93 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। हालांकि, भारत के हाथों रविवार यानी 14 सितंबर को उसे मुंह की खानी पड़ी। तीसरे मैच में वापसी करते हुए पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया और चार अंक व +1.790 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रही। यूएई और ओमान की टीमें क्रमशः तीसरे और चौथे पायदान पर रहीं।

फखर जमां और शाहीन अफरीदी के अलावा नहीं चला कोई बल्लेबाज

करो या मरो मुकाबले में पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब की सलामी जोड़ी महज नौ रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गई थी। इसके बाद मोर्चा फखर जमां ने संभाला। उन्होंने 36 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 50 रन बनाए और इस मैच में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। वहीं, छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। निचले क्रम में एक बार फिर शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम को सम्मानजनक स्कोर तर पहुंचाया। उन्होंने 14 गेंदों का सामना किया और तीन चौके व दो छक्के की मदद से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने चार और सिमरनजीत सिंह ने तीन विकेट झटके। वहीं, ध्रुव पराशर को एक सफलता मिली।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा यूएई का बल्लेबाजी क्रम

147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम बेरंग नजर आई। उनके बल्लेबाज पाकिस्तानी गेंदबाजों के खिलाफ विकेट पर टिकने के लिए संघर्ष करते दिखे। यूएई के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल चोपड़ा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। वहीं, तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए जबकि चार खिलाड़ी दहाई आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

आईसीसी से मुंह की खाने के बाद पीसीबी का दावा, पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तान की टीम से माफी मांगी

दुबई।

पाकिस्तान को एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रैफरी के तौर पर हटाने की उसकी मांग आईसीसी द्वारा दूसरी बार खारिज किए जाने के बाद एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस लेकर यूएई के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला खेलने स्टेडियम पहुंचना पड़ा। हालांकि, इस पूरे ड्रामे की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ। बाद में पाकिस्तान ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने माफी मांग ली है।

पाकिस्तान ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने इसके लिए माफी मांग ली है। पीसीबी ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, आईसीसी के विवादास्पद मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी है। एंडी

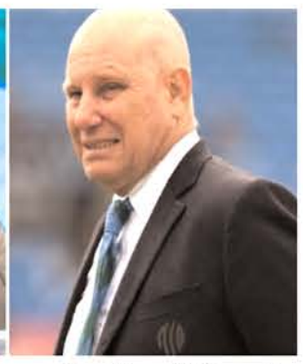

पायक्रॉफ्ट ने भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों को हाथ मिलाने से रोका था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एंडी पाइक्रॉफ्ट की हरकत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। एंडी पाइक्रॉफ्ट ने 14 सितंबर की घटना को गलतफहमी का नतीजा बताया और माफी मांगी। पाकिस्तान बोर्ड ने यह भी दावा किया कि आईसीसी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ उसकी शिकायत की जांच करेगा। इसमें कहा गया, आईसीसी ने 14 सितंबर को मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन की जांच करने की तत्परता व्यक्त की है। इस मैच में पायक्रॉफ्ट मैच रेफरी हैं। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कांफ्रेंस कॉल पर पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी को इसकी जानकारी दी। आईसीसी ने कहा कि जिम्बाब्वे के इस मैच रेफरी ने नियमों का पालन किया है और वह इस मैच में रेफरी रहेंगे। भारत के खिलाफ रविवार के मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने पर हुई शर्मिंदगी के लिए पाकिस्तान ने पायक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराया था। बुधवार को जब पाकिस्तानी टीम ग्रोसवेनर होटल से रवाना नहीं हुई तो लग रहा था कि दूसरी बार मांग खारिज होने पर गतिरोध जारी रहेगा।पायक्रॉफ्ट दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पहुंच गए थे और मैदान से एक किलोमीटर दूर आईसीसी मुख्यालय बुलाए जाने के बाद बॉडीगार्डस के साथ रवाना हो गए।

एशिया कप में जगह बनाने अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई । एशिया कप में गुरुवार को श्रीलंका का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में जहां अफगानिस्तान को आगे अपनी संभावनाएं तलाशने हर हाल में जीत चाहिये होगी। वहीं श्रीलंकाई टीम अगर हारती भी है तो भी उसे सुपर फोर में जगह मिल सकती है। इस मुकाबले में श्रीलंका टीम जीत हासिल कर सुपर फोर में कदम बढ़ाना चाहेगी। श्रीलंका की टीम हार कर भी सुपर 4 का टिकट हासिल कर सकती है पर इसके लिए उसे ध्यान में रखना होगा कि वह 70 रन या 50 गेंद शेष रहते ना हारे। दूसरी ओर बांग्लादेश से हार के बाद अफगानिस्तान को सुपर चार में जगह बनाने के लिये श्रीलंका को हर हालत में हराना होगा। इसमें जीतने पर उसके श्रीलंका और बांग्लादेश के समान चार अंक होंगे पर वह रन रेट 2.150 के साथ ही बांग्लादेश माइनस 0.270 से आगे है। अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिए 155 रन बनाने थे पर वह हार गयी थी। उ उसके कप्तान राशिद ने मैच के बाद कहा था, ''हम उस तरह का आक्रामक क्रिकेट नहीं खेल पाये हैं, जिसके लिये हम जाने जाते हैं। अब हमें श्रीलंका के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अपने दोनों मैच जीत चुकी श्रीलंकाई टीम अफगान टीम को हल्के में नहीं ले रही। कप्तान चरित असलांका ने माना है कि उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ अधिक पेशेवर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा ,'' हम पेशेवर हैं और हमें बेहतर खेलना होगा।'' साथ ही माना कि उनके बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के स्पिनरों से कड़ी चुनौती मिलेगी। वहीं अफगानिस्तान को उसके स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खेलना होगा। श्रीलंका की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा पर निर्भर रहेगी।

सूर्यकुमार बेहतरीन कप्तान के तौर पर उभरे : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में अच्छी कप्तानी के लिए सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा की है। कैफ ने कहा कि सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी के साथ ही भारतीय टीम को एकतरफा जीत दिलायी। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, सूर्यकुमार इस एशिया कप में एक बेहतरीन कप्तान के रूप में उभरे हैं। भारी दबाव वाले मैच में विजयी रन बनाना, गेंदबाजों पर नियंत्रण करना और सोशल मीडिया के प्रभाव से टीम को बचाना आसान नहीं था पर उन्होंने इसके बाद भी सब कुछ काफी अच्छे से संभाला। सूर्यकुमार ने टीम की जीत को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित किया। इसके अलावा टॉस के दौरान और मैच के बाद भी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर एक कड़ा संदेश भी दिया।

ऑस्ट्रेलियाई को एशेज में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा : मैक्ग्रा

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि आगामी एशेज सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड को सभी पांच मैच में हरा देगी। मैक्ग्रा के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसके अलावा उनकी टीम के सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ऐसे में बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम पर वह भारी पड़ेगी। साथ ही कहा कि इस सीरीज में उनकी टीम इंग्लैंड पर 5-0 से जीत हासिल करेगी। मैक्ग्रा ने कहा, हालांकि मेरे लिए भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है और न ही मैं ऐसा कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने शुरुआत से ही इस सीरीज में अपनी परंपरा को बनाये रखा

जिससे वह कभी भी भटकी नहीं है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की ये सीरीज नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में ऑस्ट्रेलिया की पहली घरेलू सीरीज रहेगी। वहीं इंग्लैंड अपने हाल के खराब रिकॉर्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया आ रहा। है। उन्होंने 2010-11 की सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट नहीं जीता है। इंग्लैंड को 2006-07, 2013-14और 2017-18 में 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा है। मैकग्राथ ने अपनी टीम की जीत के दावे का एक कारण ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी इकाई की ताकत को बताया और कहा कि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन अपने मैदानों पर सफल रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो मेहमानों के लिए यह दौरा काफी कठिन होने वाला है। इसके अलावा, इंग्लैंड का जो रिकॉर्ड रहा है।

दूसरे वनडे में मंधाना का शतक, भारत ने 102 रन की जीत से ऑस्ट्रेलिया से सीरीज 1-1 से बराबर की

न्यू चंडीगढ़।

उपकप्तान स्मृति मंधाना ने किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा जिससे मेजबान टीम ने बुधवार को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा जिससे मेजबान टीम ने बुधवार को दूसरे दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत के लिये बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने 91 गेंद में 117 रन बनाये जिसमे 14 चौके और चार छक्के शामिल थे। उन्होंने अपना शतक सिर्फ 77 गेंद में पूरा किया। जिससे मेजबान टीम ने 292 रन से अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। इसके बाद कई कैच छूटने के बावजूद मेजबान टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 40.5 ओवर में 190 रन पर आउट करके बड़ी जीत दर्ज की। भारत को पहले मैच में आठ विकेट से पराजय झेलनी पड़ी थी। तीसरा और आखिरी मैच 20 सितंबर को नई दिल्ली में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम

लक्ष्य का पीछा करते हुए लय में नहीं दिखी। भारत की धारदार गेंदबाजी और फील्डिंग ने उन्हें पहले 10 ओवर दो विकेट पर 25 ही बनाने दिए। भारत ने शानदार गेंदबाजी की जिसमें क्रांति गौड़ ने 9.5 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। दीप्ति शर्मा ने 30वें ओवर के बाद दो विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत का रास्ता बंद कर दिया।रेणुका ठाकुर (28 रन देकर एक विकेट) ने दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल (शून्य) को आउट कर मैच की लय तय की और गौड़ ने खतरनाक एलिसा हीली (09) को पांचवें ओवर में अरुंधति रेड्डी के हाथों कैच आउट करा दिया। एलिस पैरी (44) ने बेथ मूनी (18) के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन और एनाबेल सदरलैंड (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन जोड़कर महत्वपूर्ण साझेदारी बनाने की कोशिश की। लेकिन बढ़ती रन गति ने ऑस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। हरलीन देओल ने मूनी (18) को 15वें ओवर में स्नेह राणा की गेंद पर जीवनदान दिया लेकिन इसी गेंदबाज ने 17वें ओवर में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को रेड्डी के हाथों कैच करा दिया। राधा ने 21वें ओवर में सदरलैंड का कैच टपकाया, लेकिन 25वें ओवर में इस बाएं हाथ की स्पिनर ने अपनी ही गेंद पर पैरी का कैच लपककर बड़ा विकेट हासिल किया। भारत के लिए एक और अहम पल 30वें ओवर में आया जब कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कवर पर एक बेहतरीन कैच लपककर सदरलैंड को 45 रन पर आउट कर दिया जिससे ऑस्ट्रेलिया पांच विकेट पर 134 रन के स्कोर पर मुश्किल में पड़ गया। गौड ने 33वें ओवर में एश्ले गार्डनर (17) का कैच टपका दिया लेकिन अगले ओवर में राधा ने दीप्ति की गेंद पर डीप मिडविकेट पर उनका कैच लपकने में कोई गलती नहीं की।

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है लक्ष्य : मीराबाई चानू

अहमदाबाद। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू का लक्ष्य अब अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है। चानू ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण वह खेल से दूर थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पेरिस ओलंपिक में खेली थीं। चानू ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। चानू अब अपनी तकनीक बेहतर बनाने में लगी हैं। जिससे वह स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं लगाएंगी जो अगले साल

ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है। चानू के अलावा अन्य प्रतियोगियों से भी देश को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

उज्जैन का मंदिर ही नहीं पितृपक्ष में चमत्कारी घाट भी हैं बेहद प्रसिद्ध

उज्जैन को अवंतिका नगरी और बाबा महाकाल की भूमि के रूप में भी जाना जाता है। सतयुग से ही यहां तर्पण और श्राद्ध कर्म की परंपरा चली आ रही है। उज्जैन में सिद्धवट, रामघाट और गयाकोठा तीर्थ पर पिंडदान और तर्पण सबसे ज्यादा प्रसिद्ध हैं। उज्जैन की मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के घाटों पर प्रतिवर्ष पितृ पक्ष के दौरान हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इनमें सबसे प्रमुख रामघाट है, जिसकी मान्यता भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। कथा है कि वनवास काल में भगवान राम जब उज्जैन आए थे, तब उन्होंने शिप्रा नदी के तट पर अपने पिता महाराज दशरथ के लिए तर्पण और पिंडदान किया था।

माता पार्वती ने लगाया था वटवृक्ष

इसी प्रकार सिद्धवट घाट का महत्व भी अत्यधिक है। यहां एक प्राचीन वटवृक्ष स्थित है, जिसके बारे में मान्यता है कि इसे माता पार्वती ने लगाया था। इसका वर्णन स्कंद पुराण में भी मिलता है। देशभर में ऐसे चार सिद्धवट माने जाते हैं, जिनमें से एक उज्जैन का सिद्धवट है। इसे प्रेतशिला और शक्तिभेद तीर्थ भी कहा जाता है। यहां पितरों का श्राद्ध करने से वे तुरंत तृप्त होते हैं और आदित्यलोक की प्राप्ति करते हैं। मान्यता है कि जब भगवान महाकाल की सेना में शामिल भूत-प्रेतों ने मुक्ति का स्थान मांगा, तब भगवान शिव ने उन्हें सिद्धवट क्षेत्र दिया, तभी से यह स्थान मुक्ति और श्राद्ध कर्म के लिए सर्वोपरि माना जाता है।

पितृ कर्म के लिए प्रसिद्ध है गयाकोठा मंदिर

उज्जैन का गयाकोठा मंदिर भी पितृ कर्म के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहां हजारों लोग दूध और जल से तर्पण तथा पिंडदान करते हैं। ऋषि तलाई नामक स्थान पर फल्गुन नदी का गुप्त प्राकट्य माना जाता है। यहां सप्तऋषियों को साक्षी मानकर पितरों का श्राद्ध करने से वैसा ही फल मिलता है, जैसे गयाजी धाम में श्राद्ध करने से प्राप्त होता है।

पुरोहितों के पास 150 साल पुराना वंशावली रिकॉर्ड

उज्जैन की एक और विशेषता यह है कि यहां के पुरोहितों के पास लगभग 150 साल पुराना वंशावली रिकॉर्ड मौजूद है। आज के डिजिटल युग में भी वे बिना किसी कंप्यूटर की मदद के, मात्र गोत्र, समाज या गांव का नाम पूछकर पीढ़ियों का विवरण बही-खातों से बता देते हैं। यह प्राचीन पद्धति आज भी मान्य है और कोर्ट में भी इसे साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है।

सर्वपितृ अमावस्या : श्राद्ध और तर्पण करके ज्ञात व अज्ञात पितरों को करते हैं विदा

जाने-अनजाने हुई गलती की भी मांगी जाती है माफी

सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध और तर्पण करके पितरों को विदा किया जाता है और जाने अनजाने हुई गलती की माफी भी मांगी जाती है। इस बार यह शुभ तिथि 22 सितंबर दिन रविवार को है। मान्यता है कि इस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों का श्राद्ध और तर्पण करने से आत्मा तृप्त होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती है। बहुत से लोगों को सर्वपितृ अमावस्या के आसपास सपने में सांप दिखते हैं। सपनों में सांप का दिखना कई लोगों के लिए एक खास अनुभव होता है, जो कभी-कभी डरावना भी लग सकता है। हिंदू धर्म और प्राचीन स्वप्न शास्त्र में सांप को लेकर अलग-अलग तरह की मान्यताएं रही हैं। सांप का मतलब केवल डर या खतरे से नहीं होता, बल्कि इसके पीछे कई गहरे रहस्य और संकेत छिपे होते हैं। आइए जानते हैं सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप का देखना शुभ है या अशुभ?

सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप का दिखना

पौराणिक ग्रंथों में बताया गया है कि सपनों में सांप दिखना जीवन में आने वाली कुछ खास घटनाओं का संकेत हो सकता है। यही कारण है कि अगर किसी को बार-बार सपने में सांप दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसे समझना और इसका सही दिशा में समाधान निकालना जरूरी होता है। वहीं सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में सांप दिख रहे हैं तो इसका जानना आपके लिए बहुत जरूरी है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर सर्वपितृ अमावस्या पर किसी को सपने में बहुत सारे सांप दिखाई दे रहे हैं, तो यह आमतौर पर शुभ नहीं माना जाता। ऐसे सपने यह संकेत देते हैं कि आने वाले समय में व्यक्ति के जीवन में कुछ परेशानियां या विवाद हो सकते हैं। अगर आपको ऐसा कुछ सपना दिख जाए तो पितरों से जान अनजाने हुई गलती की क्षमा मांगें और किसी पंडित से जानकारी लेकर श्राद्ध व तर्पण करें।

सांपों की संख्या ज्यादा होना

सर्वपितृ अमावस्या पर अगर सपनों में सांपों की संख्या ज्यादा हो, तो यह आपकी कुंडली में किसी प्रकार के पितृ दोष या कालसर्प दोष का संकेत हो सकता है। ऐसे दोषों के कारण जीवन में अनजानी मुश्किलें और तनाव बढ़ सकते हैं। इस स्थिति में धार्मिक उपाय करना और दोषों की शांति करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि जीवन में स्थिरता और शांति बनी रहे।

सांप को पीछा करते हुए देखना

सर्वपितृ अमावस्या पर आए सपने में अगर आप सपनों में सांप का पीछा कर रहे हैं तो पितर आपको संकेत दे रहे हैं। पितर आपको बताना चाहते हैं कि आपके आसपास कोई समस्या या खतरा मंडरा रहा है, जिससे सावधान रहना जरूरी है। पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में कोई आपको नुकसान पहुंचाना चाहता है इसलिए आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सांप और नेवले की लड़ाई देखना

सांप और नेवले की लड़ाई देखने वाला सपना भी स्वप्न शास्त्र में विशेष महत्व रखता है। दोनों एक-दूसरे के प्राकृतिक दुश्मन माने जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति सर्वपितृ अमावस्या पर सपने में इस लड़ाई को देखता है, तो इसका मतलब होता है कि उसके जीवन में किसी विवाद या झगड़े का संकट आने वाला है। ऐसी स्थिति में कोर्ट-कचहरी या किसी कानूनी मुसीबत में फंसने की आशंका बढ़ जाती है।

सांप को काटते हुए देखना

वहीं, सर्वपितृ अमावस्या पर अगर सपने में सांप काटते हुए दिख जाए तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको कोई अच्छी खबर मिलने वाली है या जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव आएगा। वहीं, काला सांप फन उठाए दिखना भी शुभ माना जाता है और यह जीवन में खुशहाली और सफलता का संकेत देता है।

महामृत्युंजय की शक्ति का चमत्कार

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना विधि संगत

पद्म पुराण उत्तर खण्ड के अनुसार मृकण्डु मुनि के कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति हेतु मुनि ने सपत्नीक भगवान शिव की आराधना की। भगवान शिव उनकी तपस्या से अत्यन्त प्रसन्न हुए और वर मांगने को कहा। मुनि ने पुत्र प्राप्ति की कामना व्यक्त की तो भगवान शिव बोले, 'हे मुने! तेजस्वी, बुद्धिमान, ज्ञानी, चरित्रवान पुत्र चाहते हो तो वह मात्र सोलह वर्ष तक जीवित रहेगा। अज्ञानी और चरित्रहीन पुत्र पूर्ण आयु वाला होगा। आप कैसा पुत्र चाहते हैं।' मुनि ने अल्पायु वाला गुणवान पुत्र ही मांगा। शिव की कृपा से मुनि को गुण संपन्न पुत्र की प्राप्ति हुई। मुनि ने उसका नाम मार्कण्डेय रखा।

समयानुकूल उसकी शिक्षा-दीक्षा चलती रही। मृत्यु का समय निकट आता जानकर मुनि चिंतित रहने लगे। एक दिन पुत्र ने जब उनकी उदासी का कारण जानना चाहा तो मुनि ने पुत्र को पिछली बातें बताईं। मार्कण्डेय को अपनी साधना पर अटूट विश्वास था, उन्होंने प्रण किया कि मैं भगवान मृत्युञ्जय को प्रसन्न कर पूर्णायु को प्राप्त करूंगा। इस प्रकार बाल मार्कण्डेय विधि-विधान से आशुतोष भगवान शिव शंकर की उपासना करने लगे।

सोलहवें वर्ष के अन्तिम दिन काल यानि मृत्यु के देवता उनके सम्मुख आ पहुंचा। मार्कण्डेय ने उनसे स्तोत्र को पूर्ण करने देने का आग्रह किया किन्तु मृत्युदेव ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। जब काल ने मुनि मार्कण्डेय के प्राण हरण करने चाहे तो भगवान शिव लिंग से प्रकट हो गए।

कथानक के अनुसार यमदेव भगवान से भयभीत होकर चले गए। पूजन की पूर्णता पर प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें अल्पायु दोष से मुक्त कर दिया।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रुद्राक्ष की माला से करना विधि संगत है। मूल मंत्र का सवा लक्ष जाप कराके उसका दशांश हवन, हवन का दशांश तर्पण, तर्पण का दशांश मार्जन एवं मार्जन का दशांश ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए। मार्केंडय ऋषि की अमरता भक्ति और साधना की अलौकिक गाथा है।

ओशो ने बताया- वैराग्य का अर्थ, जहां न राग न विराग

वैराग्य का अर्थ, जहां न राग रह गया, न विराग रह गया। जहां न किसी चीज का आकर्षण है, न विकर्षण है। न किसी चीज के प्रति खिंचाव है, न विपरीत भागना है। जहां न किसी चीज का बुलावा है, न विरोध है। जहां व्यक्ति थिर हुआ, सम हुआ, जहां पक्ष और विपक्ष एक से हो गए, वहां वैराग्य फलित होता है। लेकिन इसे विराग या वैराग्य क्यों कहते हैं? जहां वैराग्य भी नहीं है, वहां वैराग्य क्यों कहते हैं? क्योंकि कोई उपाय नहीं है। शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है। आदमी के पास सभी शब्द द्वंद्वात्मक हैं, डायलेक्टिकल हैं। आदमी की भाषा में ऐसा शब्द नहीं है जो नॉन-डायलेक्टिकल हो, द्वंद्वात्मक न हो। मनुष्य ने जो भाषा बनाई है, वह मन से बनाई है। मन द्वंद्व है। इसलिए मनुष्य जो भी भाषा बनाता है, उसमें विपरीत शब्दों में भाषा को निर्मित करता है। मजे की बात है कि हमारी भाषा बन ही नहीं सकती विपरीत के बिना। क्योंकि बिना विपरीत के हम परिभाषा नहीं कर सकते। अगर कोई आपसे पूछे कि अंधेरा यानी क्या? तो आप कहते हैं, जो प्रकाश नहीं है। कोई पूछे, प्रकाश क्या? तो आप कहते हैं, जो अंधेरा नहीं है। न आपको अंधेरे का पता है कि क्या है, न प्रकाश का पता है कि क्या है? अंधेरे को जब पूछते हैं, तो कह देते हैं, प्रकाश नहीं है। जब पूछते हैं, प्रकाश क्या है? तो कह देते है, अंधेरा नहीं है। यह कोई परिभाषा हुई? परिभाषा तो तभी हो सकती है, जब कम से कम एक का तो पता हो!

साल का अंतिम सूर्यग्रहण लग रहा सर्वपितृ अमावस्या को

साल का अंतिम सूर्यग्रहण जल्द ही लगने जा रहा है। यह ग्रहण पितृपक्ष के आखिरी दिन यानी सर्वपितृ अमावस्या पर लगेगा और पितरों की विदाई ग्रहण काल में की जाएगी। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रहण का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, सूर्य को राहु ग्रहण लगाता है। लेकिन, क्या यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा। क्या इसका सूतक काल भारत में भी मान्य होगा।

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात को लगेगा। इसी दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है। भारतीय समयानुसार, ग्रहण रात में 10 बजकर 59 मिनट से मध्यरात्रि 3 बजकर 23 मिनट तक का समय है। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। बता दें कि साल का अंतिम ग्रहण कन्या राशि में लगेगा। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पहले लग जाता है। ऐसे में भारतीय समय अनुसार, सुबह में 10 बजकर 59 मिनट पर ग्रहण का सूतक काल आरंभ हो जाएगा। साथ ही यह खंडग्रास सूर्यग्रहण होगा जिसमें सूर्य का कुछ ही हिस्सा ढक जाता है। इसे आंशिक सूर्यग्रहण कहा जाता है। जानकारी के लिए बता दें कि, यह ग्रहण भारत में अदृश्य रहेगा तो इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

सूर्य ग्रहण 2025 का समय

ग्रहण प्रारंभ रात में 10 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण का मध्य 1 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण समाप्त रात में रात में 3 बजकर 23 मिनट पर।

क्या सूर्यग्रहण पर कर सकते हैं पितरों का तर्पण?

21 तारीख को लगने जा रहे सूर्यग्रहण के दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है ऐसे में बहुत से लोगों के मन में सवाल होगा की इस दिन क्या पितरों का तर्पण और श्राद्ध कर्म आदि कार्य किए जाएंगे? बता दें कि भारत में सूर्यग्रहण अदृश्य है इसलिए इसका प्रभाव भी यहां नहीं होंगा तो श्राद्ध और तर्पण आदि का कार्य आप सामान्य रूप से कर सकते हैं।

नवरात्रि के दौरान नौ दिनों मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की आराधना

साल 2025 में 22 सितंबर, सोमवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है। साल 2025 में नवरात्रि बेहद खास होंगे इस बार नवरात्रि 9 नहीं बल्कि पूरे 10 दिन के होंगे। नवरात्रि के दौरान नौ दिनों मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की आराधना की जाती है और हर देवी को उनका प्रिय भोग अर्पित किया जाता है। ऐसा करने से मां दुर्गा का आर्शीवाद अपने भक्तों पर बना रहता है और मां प्रसन्न होती हैं। इस साल शारदीय नवरात्रि पर नौ देवियों को किन चीजों का भोग लगाएं यह जानना बेहद जरूरी और महत्वपूर्ण है। मां को उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाने से उनकी कृपा बनी रहती है।

नवरात्रि 9 दिन 9 भोग

नवरात्रि दिन 1- शैलपुत्री माता भोग- घी माता शैलपुत्री को घी अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

नवरात्रि दिन 2- ब्रह्मचारिणी माता भोग- मिश्री और शक्कर के साथ फूल इस दिन ब्रह्मचारिणी देवी को मिश्री का भोग लगाने से दीर्घायु और सौभाग्य प्राप्त होता है।

नवरात्रि दिन 3- चंद्रघंटा माता भोग- दूध और खीर इस दिन चंद्रघंटा देवी को दूध से बने व्यंजन अर्पित करने से घर-परिवार में शांति और सुख का वास होता है।

नवरात्रि दिन 4- कूष्मांडा माता भोग - मालपुए इस दिन माता को मालपुए चढ़ाने से बुद्धि, ज्ञान और विद्या की प्राप्ति होती है। विद्यार्थी और कलाकारों के लिए यह विशेष शुभ माना गया है।

नवरात्रि दिन 5- स्कंदमाता भोग- केले इस दिन स्कंदमाता को केले अर्पित करने से परिवार में सुख-शांति और संतान सुख प्राप्त होता है।

नवरात्रि दिन 6- कात्यायनी माता भोग- शहद इस दिन कात्यायनी देवी को शहद का भोग लगाने से संबंधों में मधुरता आती है और विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

नवरात्रि दिन 7- कालरात्रि माता भोग- गुड़ और जौ इस दिन कालरात्रि को गुड़ और जौ का भोग लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

नवरात्रि दिन 8- महागौरी माता भोग- नारियल इस दिन माता महागौरी को नारियल अर्पित करने से पवित्रता और सौभाग्य मिलता है।

साथ ही, घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

नवरात्रि दिन 9- सिद्धिदात्री माता भोग- तिल का प्रसाद इस दिन सिद्धिदात्री माता को तिल अर्पित करने से जीवन में सिद्धियां प्राप्त होती हैं और समस्त दुखों का नाश होता है।

बांके बिहारी का प्राकट्य और कुंज गलियों का सच

मार्गशीर्ष महीने की पंचमी को बांके बिहारी पहली बार प्रकट हुए थे। स्वामी हरिदास की भक्ति से प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने दर्शन दिए। भक्तों की इच्छा पर राधा-कृष्ण एक रूप होकर बांके बिहारी बने। अकबर भी हरिदास के संगीत से प्रभावित हुए थे। वृंदावन की कुंज गलियां श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी हैं। तो आइए जानते हैं कुंज गली और बांके बिहारी के प्राकट्य का क्या है पूरा सच।

हिंदू मान्यताओं के मुताबिक मार्गशीर्ष महीने की पंचमी तिथि को बांके बिहारी पहली बार प्रकट हुए थे। इस अलौकिक रूप के पीछे एक बेहद भावुक कर देने वाली कथा जुड़ी है। स्वामी हरिदास, जिन्हें संगीत का मर्मज्ञ और भक्तों का संत कहा जाता है, श्रीकृष्ण के उपासक थे। वे रोज वृंदावन की रास स्थली में बैठकर भजन गाते और संगीत से कृष्ण की आराधना करते। हिंदू मान्यता है कि उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण उन्हें दर्शन दिया करते थे। एक दिन उनके एक शिष्य ने कहा, गुरुदेव, आपके जैसे अन्य भक्त भी राधा-कृष्ण के दर्शन करना चाहते हैं। यह सुनकर स्वामी हरिदास ने भजन गाना शुरू किया और जैसे ही उनकी तान छिड़ी, राधा-कृष्ण ने उन्हें दर्शन दिए। भक्तों की इच्छा जानकर हरिदास ने उनसे विनती की कि वो यहीं सभी के लिए ठहर जाएं। तब राधा-कृष्ण ने उनके पास ठहरने की बात कही। इस पर हरिदास ने कहा, मैं तो संत हूं, आपको जैसे भी रख लूंगा, लेकिन राधा रानी के लिए रोज नए वस्त्र और आभूषण कहां से लाऊंगा? यह सुनकर राधा और कृष्ण एक रूप हो गए। और वही बांके बिहारी के रूप में प्रकट हुए।

कृष्ण यहां अर्धनारीश्वर की रूप में हैं, काले रंग की मूर्ति मंदिर में विराजमान है। यहां सखी परंपरा के तहत गोस्वामी उन्हें अपना स्वामी मानते हैं। श्री बांके बिहारी मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां हर दिन मंगला आरती नहीं होती। घंटियां नहीं बजतीं। ताकि बांके बिहारी की नींद में खलल न पड़े।

संगीतज्ञ तानसेन के गुरु माने जाते हैं। तानसेन की प्रेरणा से मुगल बादशाह अकबर भी वृंदावन आए थे और हरिदास की भक्ति और संगीत से इतने प्रभावित हुए कि उनके मुरीद बन गए। हरिदास की रचनाओं पर किताब लिखने वाले और बांके बिहारी के सेवायत्त कृष्ण चंद्र गोस्वामी बताते हैं कि एक बार की बात है जब तानसेन गा रहे थे तो अकबर बादशाह ने उनकी तारीफ की। तानसेन ने कहा, हुजूर मैं तो कुछ भी नहीं गाता जो मेरे गुरु गाते हैं। इसपर अकबर ने कहा, उनको दरबार बुलाया जाए। तब तानसेन ने कहा, वो अपनी मर्जी के मालिक हैं। कहीं जाते नहीं। उन्हें सुनने के लिए आपको वृंदावन जाना पड़ेगा, लेकिन आप बादशाह बनकर जाएंगे तो हो सकता है वो गाएं नहीं। तब अकबर ने सेवक का रूप धारण किया और तानसेन के साथ वृंदावन आ गए। कुंज गलियों से पैदल गुजरते हुए हरिदास के पास पहुंचे। वहां तानसेन ने एक राग अलापा। इस बात का जिक्र कृष्णगढ़ के आठवें महाराज सामंत सिंह ने भी अपनी रचना में किया है। तानसेन ने जानबूझकर गलत सुर लगाए। हरिदास चुप रहे। तानसेन ने कहा, गुरु आप कुछ कहिए कैसा सुर है। तब हरिदास ने खुद मल्हार राग अलापा। उनका मधुर गायन सुनते ही आकाश के बादल बरस पड़े और सम्राट अकबर भी उनके मुरीद हो गए।

अब कृष्ण चंद्र सरकार से सवाल करते हैं, जब अकबर जैसा सम्राट खुद वृंदावन की इन कुंज गलियों से गुजरा, तो आज की सरकार जो लोकतंत्र की बात करती है, वो क्यों वीआईपी बनकर आना चाहती है? क्या कॉरिडोर सिर्फ इसलिए बनाना है कि गाड़ियां मंदिर के गेट तक पहुंच सकें? जिसमें श्रद्धा भाव होगा, उसे वीआईपी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं। भीड़ के बहाने अपने हित साधने की कोशिश की जा रही है। अगर भीड़ को मैनेज करना है तो कई बेहतर विकल्प हो सकते हैं। ट्रैफिक कंट्रोल किया जाए। गलियों को साफ रखा जाए। बिजली व्यवस्था सही की जाए। सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं।

हरियाणा के एक जहां गांव में मौजूद है चमत्कारी तालाब

हमारे देश में कई चमत्कारी और रहस्यमयी स्थान हैं, जहां लोग पूरी श्रद्धा से जाते हैं। साथ ही, उन स्थानों के चमत्कार में भी विश्वास रखते हैं। भारत में कुछ मंदिर और स्थान ऐसे भी हैं, जहां के दर्शन मात्र से लोगों को जीवन के दुखों और रोगों से मुक्ति मिल जाती है। ऐसा ही एक गांव हरियाणा में मौजूद है। इस स्थान को लेकर लोगों की कई मान्यताएं हैं। कहा जाता है कि इस गांव में एक तालाब मौजूद है जहां स्नान करने मात्र से व्यक्ति को पीलिया जैसी गंभीर बीमारी से निजात मिल सकती है। आज हम आपको इसी चमत्कारी तालाब के बारे में बता रहे हैं।

हरियाणा के झज्जर जिले में छारा गांव स्थित है। यहां एक ऐसा तालाब मौजूद है जिसमें पीलिया ठीक करने के लिए लोग दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। लोग पूरी श्रद्धा से इस स्थान पर जाते हैं। बता दें कि छारा गांव बहादुरगढ़ तहसील के अंतर्गत आता है। यहां मौजूद तालाब को लोग पीलिया जोहड़ भी कहते हैं। मान्यता है कि जिन लोगों को पीलिया की समस्या है अगर वे इस जोहड़ में आकर केवल एक बार स्नान कर लें तो उन्हें इस रोग से छुटकारा मिल सकता है।

तालाब से जुड़ी मान्यता

पीलिया जोहड़ के पास एक बोर्ड भी लगा हुआ है, जहां इस तालाब से जुड़ी मान्यता और चमत्कार का वर्णन मिलता है। यहां को लेकर लोगों का मानना है कि श्रवण कुमार एक बार अपने माता-पिता को लेकर इसी स्थान पर आए थे और वृक्ष की छाया में बैठकर विश्राम किया था। तभी से यहां वरदान है कि इस तालाब के पानी में स्नान करने से पीलिया रोग ठीक हो जाता है। यह चमत्कार लोगों ने अपनी आंखों से होते हुए देखा है। ऐसे में यहां पितृ भक्त श्रवण कुमार का मंदिर भी मौजूद है। उनका मानना है कि यहां आने से पीलिया एक बार में समाप्त हो जाता है। हालांकि, इसका असर काला पीलिया पर कितना होगा इसे लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है।

यहाँ दर्शन मात्र से लोगों को जीवन के दुखों और रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

पीलिया जोहड़ में स्नान करने की विधि

इस तालाब में स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए और अपने साथ एक खाली बोतल, हल्दी की गांठ, कोयला, चने की दाल और बताशे या गुण लेकर जाना चाहिए। तालाब में स्नान से पहले एक घूंट पानी लेकर पिएं और फिर, स्नान करें। इसके बाद, हल्दी की गांठ, कोयला, चने की दाल और बताशे मंदिर के पास चढ़ाने चाहिए। साथ ही, बोतल में तालाब का पानी भरकर और वहां की मिट्टी घर लेकर आनी चाहिए। कुछ ही दिनों तक नहाने के पानी में तालाब का पानी थोड़ा-थोड़ा मिलाकर नहाना चाहिए। साथ ही, थोड़ी मिट्टी भी पानी में मिलाएं। मान्यता है कि इस प्रकार जोहड़ से स्नान करने से पीलिया रोग से मुक्ति प्राप्त हो सकती है।

रोमांटिक ड्रामा सीरीज की हुई हैप्पी एंडिंग, बेली और कॉनराड के मिलन से फैंस हुए खुश

फेमस सीरीज द समर आई टर्न्ड प्रिटी का आखिरकार अंत हो गया है। इसके आखिरी एपिसोड में दर्शकों को बहुत कुछ खास देखने को मिला। तीन सीजन तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अमेरिकन रोमांटिक ड्रामा सीरीज द समर आई टर्न्ड प्रिटी आखिरकार अपने आखिरी एपिसोड तक पहुंच गई। ग्यारहवें एपिसोड के साथ ही ना सिर्फ कहानी का द एंड हुआ बल्कि एक हैप्पी एंडिंग देकर मेकर्स ने फैंस को भी खुश कर दिया। इस दौरान फैंस जिन सवालों का बेसब्री से जवाब ढूंढ रहे थे, वो भी उन्हें मिल गया।

बेली और कॉनराड की कहानी

आखिरी एपिसोड की शुरुआत पेरिस से होती है, जहां बेली और कॉनराड की अंजाने में मुलाकात होती है। नए आत्मविश्वास के साथ बेली और वर्षों से दिल में दबे कॉनराड के जबात, दोनों के बीच पुरानी भावनाएं फिर से उमड़ने लगती हैं। शहर घूमाने के बहाने दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती हैं, लेकिन असली मोड़ तब आता है जब कॉनराड अपने दिल की बात कह देता है। कॉनराड कबूल करता है कि उसने बेली से प्यार करना कभी नहीं छोड़ा और बेली भी बताती है कि उसके लिखे खत मुश्किल दिनों में उसका सहारा बने। हालांकि बेली झिझकती है, मगर जब उसे एहसास होता है कि उसकी खुशी कॉनराड के बिना अधूरी है, तो दौड़कर कॉनराड के पास जाती है और अपने प्यार का इजहार करती है। उसके गले में इन्फिनिटी नेकलेस दोनों के रिश्ते को मजबूत कर देता है।

जेरमायाह की नई राह

दूसरी ओर जेरमायाह अब अपना फोकस बेली से हटाकर खाना बनाने की ओर लगाता है। सोशल मीडिया पर उसकी मेहनत को टेलर का साथ मिलता है और धीरे-धीरे वह एक नया मकसद ढूंढ लेता है। एक डिनर की तैयारी में उसे मुश्किलें आती हैं, लेकिन परिवार और करीबी उसका साथ देते हैं। दिलचस्प मोड़ तब आता है जब वो बेली से पूरी तरह मूव ऑन कर जाता है।

स्टीवन और टेलर का रिश्ता

स्टीवन और टेलर की जोड़ी भी इस एपिसोड में परीक्षा से गुजरती है। स्टीवन के सैन फांसिस्को जाने की खबर से टेलर का दिल टूटता है और दोनों में झगड़ा होता है। लेकिन आखिरकार दोनों अपने रिश्ते को बचाने का फैसला करते हैं। करियर और प्यार के बीच आखिरकार दोनों संतुलन बना लेते हैं।

सीरीज का आखिरी सीन

फिनाले का आखिरी सीन दर्शकों को वहीं ले आता है जहां से पूरा सफर शुरू हुआ था- कजिन्स के समुद्रतट पर। हाथों में हाथ डाले बेली और कॉनराड वहां लौटते हैं, मानो बता रहे हों कि चाहे सफर कितना भी लंबा क्यों न हो, अंत में प्यार ही सबकुछ है।

सीरीज के बारे में

सीरीज द समर आई टर्न्ड प्रिटी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है और यह तीन सीजन तक दर्शकों का मनोरंजन करती रही। इस रोमांटिक ड्रामा को जैनी हान ने क्रिएट किया है, जो इसी नाम के मशहूर नॉवेल पर आधारित है। इसकी स्टारकास्ट में लोला तुंग बेली के किरदार में नजर आती हैं जबकि क्रिस्टोफर ब्राइनी ने कॉनराड का रोल निभाया है। वहीं गैविन कासालेग्नो जेरमायाह के रूप में दिखे और शॉन कॉफमैन ने स्टीवन का किरदार निभाया। इसके अलावा रेन स्पेंसर टेलर के रूप में और जैकी चुंग और रैचल ब्लैंचार्ड भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं।

फिल्म 'सितारे जमीन पर' को पे-पर-व्यू मॉडल पर उतारा

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने फिल्म सितारे जमीन पर को थिएटर में रिलीज के महज छह हफ्ते बाद फिल्म को किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बेचने के बजाय सीधे यूट्यूब पर पे-पर-व्यू मॉडल पर उतार दिया। इस प्रयोग के तहत दर्शकों को फिल्म देखने के लिए 100 रुपये चुकाने पड़े। हाल ही में आमिर ने खुलासा किया कि इस मॉडल ने फिल्म को उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता दिलाई और यह पारंपरिक ओटीटी डील की तुलना में 20 गुना ज्यादा बिजनेस कर गया। यह आंकड़ा अपने आप में रिकॉर्ड माना जा रहा है और इससे आमिर के फैसले की दूरदर्शिता एक बार फिर साबित हुई है। आमिर ने बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए करीब 125 करोड़ रुपये की ओटीटी डील ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया और पूरा रिस्क खुद उठाया। उनका कहना है कि यूट्यूब रोजाना 50 से 60 करोड़ दर्शकों तक पहुंच रखता है, जबकि किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म की पहुंच इतनी व्यापक नहीं होती। इसी वजह से उन्होंने यह नया रास्ता अपनाने का साहस किया। आमिर ने यह भी कहा कि पे-पर-व्यू का विचार उनके मन में काफी पहले से था, लेकिन इंटरनेट और यूपीआई के विस्तार ने अब इसे व्यवहारिक बना दिया है। इस मॉडल के जरिए दर्शकों को भी सुविधा मिली कि वे अपनी पसंद के हिसाब से सीधे फिल्म को खरीदकर देख सकें, और निर्माता को भी फायदा हुआ कि उसका कंटेंट ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा। आमिर ने इस कदम को केवल आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के भविष्य से भी जोड़ा। उनका मानना है कि कोरोना काल के बाद से थिएटर बिजनेस को बड़ा झटका लगा है। पहले जहां फिल्में कई हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलती थीं, अब ओटीटी रिलीज के दबाव में यह समय काफी घट गया है। ऐसे में इस नए मॉडल से थिएटर को भी सही समय मिल सकेगा और निर्माताओं को भी नए विकल्प मिलेंगे। आमिर का कहना है कि अच्छी फिल्मों को थिएटर में लंबा वक्त मिलना चाहिए ताकि दर्शक बड़े पर्दे पर उसका अनुभव ले सकें, न कि जल्दबाजी में उसे ओटीटी पर उतार दिया जाए। फिलहाल, आमिर इस अनोखे प्रयोग से मिली सफलता का आनंद ले रहे हैं।

डिंपल की नातिन नाओमिका ने खींचा लोगों का ध्यान

बॉलीवुड स्टार्स किडस अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। ऐसे ही एक स्टारकिड ने लोगों का ध्यान खींचा है राजेश खन्ना और डिंपल कपाड़िया की नातिन नाओमिका सरन। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हाल ही में नाओमिका अपनी मौसी ट्विंकल खन्ना के साथ मुंबई में स्पॉट हुईं। जहां ट्विंकल ब्राउन कलर के वेस्टर्न स्टाइल कोट-पैंट सूट में नजर आईं, वहीं नाओमिका ने सिंपल ट्रेडिशनल लुक अपनाया। उन्होंने हल्के गुलाबी रंग का कॉटन सूट पहना और बाल खुले रखे। बिना मेकअप और बिना किसी ओवर शो-ऑफ के, उनकी मासूमियत ने फैंस का दिल जीत लिया।

कैमरे के सामने नजरें झुकाए और हल्की मुस्कान के साथ वह कार में बैठती नजर आईं। सोशल मीडिया पर नाओमिका के इस वीडियो की खूब तारीफ हो रही है। कई यूज़र्स ने उनकी तुलना जाह्नवी कपूर, शनाया कपूर और अनन्या पांडे जैसी स्टारकिड्स से करते हुए लिखा कि नाओमिका उनसे ज्यादा खूबसूरत और नैचुरल लग रही हैं। उनकी सादगी और कॉन्फिडेंस ने लोगों को खूब प्रभावित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नाओमिका जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। चर्चा है कि वह अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ फिल्मों में एंट्री ले सकती हैं। दोनों को कई बार प्रोडक्शन हाउस के बाहर साथ देखा गया है। बताया जा रहा है कि यह जोड़ी दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में नजर आएगी। नाओमिका का पारिवारिक बैकग्राउंड भी बेहद दिलचस्प है।

करिश्मा को अस्पताल से मिल गई छुट्टी

बालीवुड एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा हाल ही में एक गंभीर ट्रेन हादसे का शिकार हो गई थीं। हादसे के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शूटिंग से लौटते समय वह मुंबई की लोकल ट्रेन से गिर गईं और बुरी तरह घायल हो गईं। हालांकि अब करिश्मा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और उन्होंने अपने फैंस को खुद इसकी जानकारी दी है। शनिवार को डिस्चार्ज मिलने के बाद करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा हैलो दोस्तों, आखिरकार मुझे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टर ने कहा कि मेरी चोट गंभीर नहीं है, लेकिन पूरी तरह ठीक होने में समय लगेगा और दर्द कुछ दिन तक बना रहेगा। यह मेरे लिए बेहद मुश्किल और डरावना अनुभव था, लेकिन आपके प्यार, दुआओं और सपोर्ट ने मुझे इससे उबरने की ताकत दी। पोस्ट में करिश्मा ने अपनी मां का भी खास जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि जैसे ही हादसे की खबर मिली, उनकी मां तुरंत फ्लाइट पकड़कर उनके पास पहुंचीं और पूरे समय उनका हौसला बढ़ाया। करिश्मा ने कहा मां, आपके साथ रहने और मुझे हिम्मत देने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। यह मेरे लिए बेहद मायने रखता है। हादसे की वजह बताते हुए करिश्मा ने कहा कि शूटिंग के कारण उन्होंने साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही वह ट्रेन में चढ़ीं, अचानक उसकी स्पीड बढ़ गई। घबराकर उन्होंने चलती ट्रेन से कूदने की कोशिश की, जिससे वह पीठ के बल गिर गईं। इस दौरान उनके सिर और हाथ-पैरों में चोटें आईं और पीठ पर गंभीर चोट लग गई। फिलहाल करिश्मा अब घर पर आराम कर रही हैं और धीरे-धीरे रिकवर कर रही हैं। उन्होंने अपने फैंस को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही वह पूरी तरह ठीक होकर फिर से काम पर लौटेंगी। बता दें कि एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा ने फिल्म 'रागिनी एमएमएस रिटर्न' और 'प्यार का पंचनामा' से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज उनकी लंबी फैन फालोईग है।

हुमा कुरैशी ने रचित से की सगाई

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इस समय अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्मों में शानदार काम करने के साथ-साथ अब उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। हाल ही में उनकी फिल्म 'बयान' का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में प्रीमियर हुआ था, जहां इसे खूब सराहना मिली। लेकिन अब खबर है कि हुमा ने अपने कथित बॉयफ्रेंड और एक्टिंग कोच रचित सिंह से सगाई कर ली है। सूत्रों के अनुसार, हुमा और रचित काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। हाल ही में एक निजी इवेंट के दौरान रचित ने हुमा को प्रपोज किया और उन्होंने तुरंत 'हां' कह दिया। इस खास पल की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिसके बाद फैंस दोनों को शुभकामनाएं दे रहे हैं। हालांकि, न तो हुमा और न ही रचित ने इस पर कोई आधिकारिक बयान दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों जल्द ही अपनी सगाई को सार्वजनिक कर सकते हैं। हुमा कुरैशी ने बॉलीवुड से लेकर वेब सीरीज तक में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। वहीं, रचित सिंह बतौर एक्टिंग कोच इंडस्ट्री में काम कर चुके हैं। दोनों के रिश्ते की चर्चा पहले भी कई बार हो चुकी है। अब इस सगाई की खबर ने फैंस को और ज्यादा उत्साहित कर दिया है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही दोनों शादी की तारीख की घोषणा करेंगे।

बिग बॉस 19 : नॉमिनेशन डिस्कशन पर पूरा घर नॉमिनेट

टीवी का सबसे लोकप्रिय शो बिग बॉस 19 अपने ड्रामे और ट्विस्ट के लिए जाना जाता है। हाल ही में प्रसारित एक एपिसोड में जहां एक तरफ डबल एविक्शन हुआ और नगमा तथा नतालिया घर से बाहर हो गईं, वहीं दूसरी तरफ घरवालों ने ऐसा कदम उठाया कि पूरा घर नॉमिनेट हो गया। दरअसल, घर के सदस्यों ने खुलेआम नॉमिनेशन पर चर्चा की, जो कि शो के सबसे सख्त नियमों में से एक है। बिग बॉस ने इस नियम उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए पूरे घर को नॉमिनेट कर दिया। हालांकि, कैप्टन होने के चलते अमाल मलिक इस सजा से बच गए। इसके बाद बिग बॉस ने घरवालों को चेतावनी दी और एक नया टास्क करवाया। इस टास्क के बाद पांच सदस्यों पर बेघर होने का खतरा मंडराने लगा। फैंस के बीच यह एपिसोड खूब चर्चा में रहा। दर्शकों का कहना है कि इस सीजन में नियम तोड़ने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वहीं, शो के निर्माता भी लगातार ट्विस्ट डालकर इसे और दिलचस्प बना रहे हैं। अब देखना यह है कि आने वाले एपिसोड्स में कौन घर से बाहर होता है।

मोदी सरकार ने जीएसटी में किये ऐतिहासिक सुधार: भूपेन्द्र चौधरी

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में नोएडा सेक्टर-116 में "GST में राहत'' विषय पर भव्य फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हाल ही में मोदी सरकार द्वारा किए गए GST सुधार ऐतिहासिक हैं। पहले GST के अंतर्गत चार स्लैब थे, जिन्हें अब घटाकर दो कर दिया गया है। जिन वस्तुओं पर पहले 12% कर लगता था, उन्हें या तो शून्य कर या 5% कर की श्रेणी में लाया गया है। इसी प्रकार जिन वस्तुओं पर 28% कर लगता था, उनमें से अधिकांश को घटाकर 18% कर पर कर दिया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि GST सुधारों ने न केवल कर व्यवस्था को सरल बनाया है बल्कि उपभोक्ताओं की जेब पर भी सीधा असर डाला है। अब आम आदमी को दैनिक उपयोग की वस्तुएँ पहले से सस्ती मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह कदम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को और मजबूती देता है।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि GST सुधारों से व्यापारियों को सुविधा और पारदर्शिता मिली है। उन्होंने कहा कि इन कदमों से देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, अमित चौधरी, विमला बाथम, अभिषेक शर्मा, हरिश्चंद्र भाटी, विजेंद्र नागर, जुगराज चौहान, मनोज गुप्ता, एनपी सिंह, राकेश शर्मा, पूर्व मंत्री मदन चौहान, डॉ वीएस चौहान, विनोद त्यागी, सुशील शर्मा, चंदगीराम यादव, रामकिशन यादव, करतार सिंह चौहान, डिंपल आनंद, धर्मेंद्र गुप्ता, महेश अवाना, विनोद शर्मा अमित त्यागी, राजेंद्र अवाना, गिरिजा सिंह, गणेश जाटव, एसपी चमोली, ओमवीर अवाना, हर्ष चतुर्वेदी, अर्पित मिश्रा, राजकुमार झा, पूनम सिंह, उमेश त्यागी, भूपेश चौधरी, ओम यादव, नीरज चौधरी, उमानंदन कौशिक, दीनबंधु, मनीष तिवारी, अशोक मिश्रा, प्रदीप चौहान, शारदा चतुर्वेदी, प्रज्ञा पाठक, गौतम शर्मा, सत्यनारायण महावर, लोकेश यादव, उमेश पहलवान, एहसान खान, राहुल शर्मा, बबलू यादव, विपुल शर्मा, समेत बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

धारा-10 को लेकर सीईओ से मिले सेक्टर-22 के लोग

नोएडा (चेतना मंच)। RWA रेजिडेंट्स कल्याण महासमिति, सेक्टर-22 के अध्यक्ष विजय सिंह की अध्यक्षता में 6 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) से एक ज्ञापन के साथ मिला। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद का पत्र भी प्रस्तुत किया। इस दौरान ज्ञापन में मांग की गई कि धारा-10 के नोटिस को निरस्त किया जाए तथा दिल्ली व गाज़ियाबाद की तर्ज पर आवासीय भवनों की ऊँचाई 15 मीटर (स्टिल्ट पार्किंग सहित 17.5 मीटर) स्वीकृत करते हुए, इस संबंध में आदेश पारित किया जाए।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि शीघ्र ही एक नीति बनाकर, निवासियों के हित में निर्णय लेंगें एवं उसकी सूचना आपको उपलब्ध करायी जाएगी।

25 को पीएम से संवाद करेंगे नोएडा के उद्यमी: विपिन मल्हन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोशिएसन के अध्यक्ष विपिन मल्हन के आह्वान पर एक बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा 25 सितम्बर 2025 को इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो के उद्घाटन समारोह में भाग लेने एवं प्रधानमंत्री के साथ उद्यमियों का संवाद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोशिएसन के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने अपने पदाधिकारियों एवं एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्यों के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया। साथ ही एनईए मेंबर्स को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को समझाया।

श्री मल्हन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी से सीधे संवाद का अवसर नोएडा के उद्यमियों को मिलने जा रहा है जिससे उद्यमियों में हर्ष का माहौल है।

बिसरख में श्मशान घाट का निर्माण जल्द होगा शुरू

10 करोड़ रुपए की लागत से डेढ़ साल में बनकर होगा तैयार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित बिसरख में श्मशान घाट का निर्माण जल्द शुरू होने जा रहा है। बिसरख सहित ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी काफी समय से इसकी मांग कर रहे थे। यह श्मशान घाट लगभग डेढ़ साल में तैयार हो जाएगा। इसे बनाने में करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि श्मशान घाट के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। परियोजना विभाग के वर्क सर्किल तीन की तरफ से इसका निर्माण जल्द शुरू करने की तैयारी है। इसमें चारदीवारी के अलावा दाह संस्कार के लिए 40 प्लेटफार्म, मंदिर, 120 गाड़ियों की पार्किंग, प्रार्थना सभा, सीसी रोड, लकड़ी का गोदाम आदि का निर्माण कराया जाएगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में शमशान घाट न होने से यहां के निवासियों को परेशानी हो रही थी। अपने प्रियजनों की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए उनको गाजियाबाद, नोएडा के सेक्टर- 94 या फिर ग्रेटर नोएडा के साकीपुर जाना पड़ता है।

स्थानीय निवासियों ने प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से मिलकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट में श्मशान घाट बनवाने की मांग की थी। सीईओ के निर्देश पर परियोजना विभाग श्मशान घाट का निर्माण अब शीघ्र शुरू करने जा रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। 'सेवा पखवाड़ा' अभियान के निमित्त प्रकाश हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, नोएडा में आयोजित 'रक्तदान शिविर' का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया।

इस मौके पर डॉ.वी.एस चौहान, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान,पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, गौतमबुद्धनगर अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव उपस्थित रहे।

जिम्स में टेलीपैथोलॉजी की सुविधा शुरू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) के पैथोलॉजी विभाग में टेलीपैथोलॉजी सुविधा शुरू करने के लिए एक उन्नत तकनीक युक्त टेलीमाइक्रोस्कोप की स्थापना की गई है। यह माइक्रोस्कोप स्मार्ट डिवाइस से युक्त है तथा इसमें फ्लोरेसेंट माइक्रोस्कोपी की सुविधा भी है, जो इसे जांच के लिए विशिष्ट बनाती है।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि टेलीपैथोलॉजी की सुविधा से क्षेत्र के आसपास स्थित चिकित्सालयों को रोगों के निदान (डायग्नोसिस) में संस्थान से विशेषज्ञता प्राप्त हो सकेगी। साथ ही, यह चिकित्सकों के प्रशिक्षण में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने बताया कि इस टेलीमाइक्रोस्कोप की स्थापना आईडीबीआई बैंक की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) योजना के तहत की गई है। कार्यक्रम में बैंक के रीजनल कोऑर्डिनेटर नागेश कपूर, प्रशांत चौधरी, ब्रांच हेड अभिषेक शर्मा एवं सुश्री नम्रता शर्मा उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया एक्सपो मार्ट का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों एवं वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिये कि वीवीआईपी आगमन के दौरान सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग की व्यवस्था बेहतरीन और सुचारु हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और समन्वय व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। उन्होंने प्रदर्शनी स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, हेल्प डेस्क और प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, नगर मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर दुर्गेश सिंह, इंडिया एक्सपो मार्ट के अध्यक्ष राकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम के जन्मदिवस पर रक्तदान कर किया सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

बदायूं (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बदायूं की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तथा सहसवान के ब्लॉक प्रमुख विक्रांत यादव ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

सहसवान के ब्लॉक प्रमुख विक्रांत यादव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश भर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सहसवान ब्लाक में स्थित रामनिवास अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी के कारण कई बार लोगों की जान चली जाती है। जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त मिल सके इसलिए लोगों को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने रक्तदान को महादान की संज्ञा देते हुए कहा कि जीवन में सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए जिससे आपातकालीन स्थिति में लोगों के अमूल्य जीवन को बचाया जा सके।

श्री यादव ने कहा कि लोगों में भ्रांतियां है कि रक्तदान से शरीर में कमजोरी आती है जबकि ऐसा नहीं है। स्वस्थ व्यक्ति तीन माह के अंतराल पर दोबारा रक्तदान कर सकता है और इसमें किसी प्रकार की शारीरिक कमजोरी नहीं आती है। रक्तदान से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। उन्होंने उपस्थित लोगों का आह्वान किया कि वह स्वयं रक्तदान करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस मौके पर रक्तदान करने वाले लोगों को पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव एवं सहसवान ब्लाक प्रमुख विक्रांत यादव द्वारा प्रशंसा पत्र भी दिए गए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पूनम यादव, सचिन शर्मा, पियूष माहेश्वरी, हर्ष ओमानी, अंकित सक्सेना, तूफान सिंह, सतेंद्र यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एमिटी में रक्तदान शिविर, छात्रा ने जन्मदिन पर किया रक्तदान

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय में रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सिटी के सहयोग से दो दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले छात्रों का निशुल्क थैलेसिमिया की जांच भीं की गई। रक्तदान शिविर के प्रथम दिन कुल 350 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रितनंद बलवेद एजुकेशन फाउंडेशन के ट्रस्टी रोटेरियन अजय चौहान ने इस अवसर पर कहा कि एमिटी मे रोटरी के सहयोग से कई वर्षो से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्त का कोई विकल्प नही है और रक्तदान सद्भावना का एक गहरा प्रतीक है जो जीवन बचाता है और दाता के भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। उन्होनें छात्रों से कहा कि हममें से प्रत्येक के पास इस आवश्यक सेवा में योगदान देने की शक्ति है। चाहे आप पहली बार रक्तदान कर रहे हों या नियमित रूप से रक्तदान करते हों, याद रखें कि आपका योगदान अमूल्य है।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सिटी की अध्यक्ष डा रीता बक्शी ने कहा कि रक्तदान के लिए छात्रो और शिक्षकों के उत्साह ने हमारे अदंर नई उर्जा का संचार किया है और एमिटी में आकर बेहद प्रसन्नता हो रही है। आज लगभग 12000 यूनिट प्रति दिन लोगों की रक्त की आवश्यकता होती है किंतु सभी के लिए उपलब्ध नही हो पाता और कई व्यक्ति जीवन खो देते है। उन्होने कहा कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति के शरीर में 48 घंटे के भीतर रक्त पुनः बन जाता है। इस रक्तदान के दौरान सभी की निशुल्क थैलेसीमिया की जांच भी की जा रही है। रोटरी ब्लड सेंटर दिल्ली के अध्यक्ष रोटेरियन रूपक जैन ने भी अपने विचार रखे। एमिटी विश्वविद्यालय की मास्टर ऑफ फाइन आर्टस की प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री श्रेयाशी ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान करके बेहद खुशी मिल रही है।